परमेश्वर ने मूसा को बुलाया

Bible Kids

आज का शब्द

जब यहोवा ने देखा, कि वह देखने को गया है, तब परमेश्वर ने उसे बुलाया
झाड़ी के भीतर से,
"मूसा! मूसा!" और मूसा ने कहा, "मैं यहाँ हूँ।"
एक्सोदेस 3:4

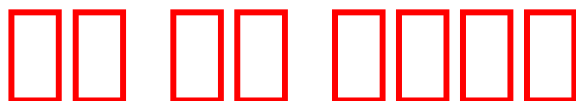

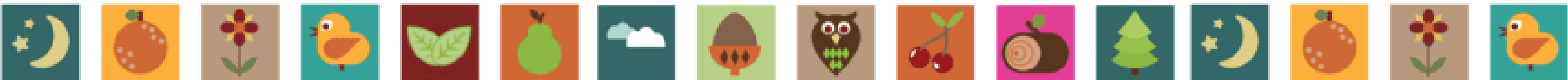

एक दिन , जब मूसा ने एक मिस्री को एक इस्राएली को पीटते हुए देखा , तो वह क्रोधित हो गया , उसने अपने लोगों का पक्ष लिया और उस मिस्री को मार डाला □

जब फिरौन को यह पता चला तो मूसा उससे डर गया और
मिस्र के महल से भाग गया और मिद्यान के
रेगिस्तान में रहने चला गया।

मूसा 40 वर्ष तक चरवाहे के रूप में जीवित रहे और
अन्त में 80 वर्ष के हो गये।

एक दिन , भगवान ने उसे जलती हुई झाड़ी के भीतर बुलाया और उससे कहा।   “मैं तुम्हें अपनी प्रजा इस्राएलियों को मिस्र से छुड़ाने के लिये

आज का पाठ

जब मूसा 80 वर्ष के थे तब परमेश्वर ने उन्हें इस्राएलियों का नेता कहा।

ईश्वर की योजना हमारी योजना से भिन्न है, लेकिन उसकी योजना सदैव उत्तम होती है।

हमें विश्वास करना होगा कि ईश्वर की योजना उत्तम है और हमें उस पर निर्भर रहना है।

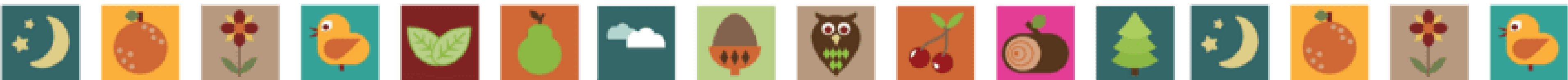

भगवान है ?

ईश्वर ..

परमेश्वर अपनी सिद्ध योजनाओं के द्वारा हमारी अगुवाई करता है।
भगवान की योजनाओं में कोई ग़लती नहीं होती .

आज की प्रश्नोत्तरी

जब मूसा ने परमेश्वर की आवाज़ सुनी , तो उसने क्या देखा ?

① सुंदर अंगूर की बेल

② बादल और गड़गड़ाहट

③ जलती हुई झाड़ी

④ विभाजित समुद्र

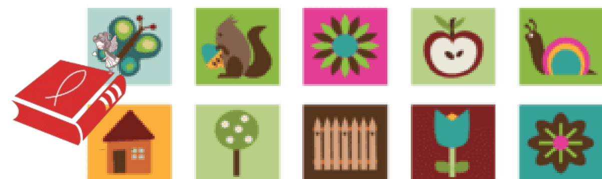

आज का शब्द

जब यहोवा ने देखा, कि वह देखने को गया है, तब परमेश्वर ने उसे बुलाया
झाड़ी के भीतर से,
"मूसा! मूसा!" और मूसा ने कहा, "मैं यहाँ हूँ।"
एक्सोदेस 3:4

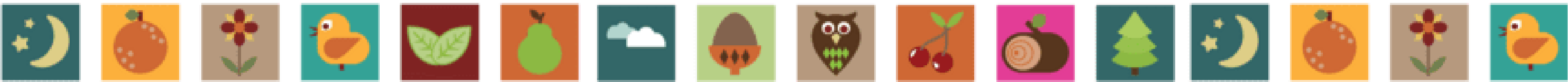

□□□□□ 17 □□□□ □□ □□□□□

□□ □□□□□□□

Bible Kids

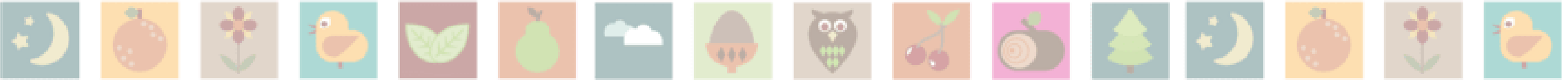

आज का शब्द

और जब मैं मिस्र के विरुद्ध अपना हाथ बढ़ाकर इस्राएलियोंको उस में से निकालूंगा, तब मिस्री जान लेंगे कि मैं यहोवा हूं।

एक्सोदेस 7:5

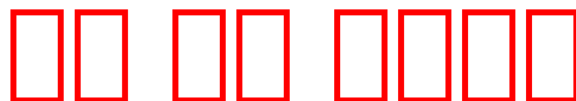

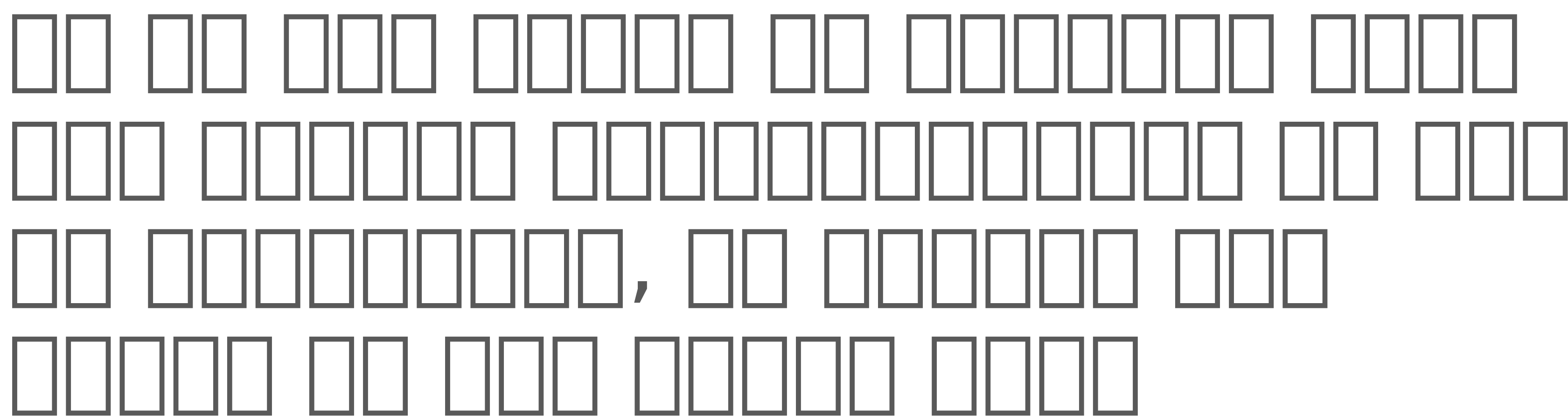

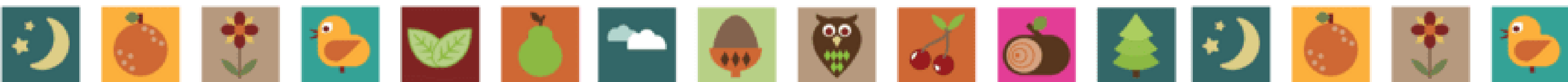

मूसा ने मिस्र के राजा फिरौन को परमेश्वर का आदेश सुनाया। "यहोवा यों कहता है, मेरी प्रजा को जाने दे, कि वे मेरी उपासना करें।"

"बिलकुल नहीं ! ईश्वर कौन है ? मैं एक भगवान हूँ ”
फिरौन ने इसे बहुत दृढ़ता से अस्वीकार कर

मूसा ने ईश्वर से प्रार्थना की. "भगवान, कृपया मुझे बताएं कि आप अब से क्या करेंगे।"

परमेश्वर ने पूरे मिस्र देश पर दस विपत्तियाँ बरसाईं। मिस्र के लोगों और फिरौन को पता चल गया है कि असली भगवान कौन है।

“मूसा   , अपने सभी इस्राएलियों के साथ अभी मिस्र
से बाहर जाओ।   ” फिरौन के पास उन्हें जाने देने

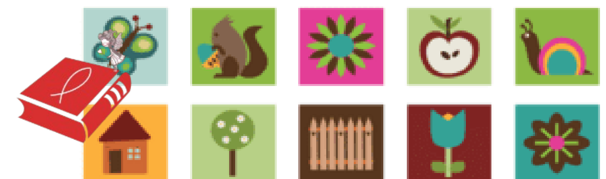

आज का पाठ

फिरौन ने सोचा कि ईश्वर की उपेक्षा करने में वह सबसे शक्तिशाली है।
अत: उसे बड़ी विपत्तियों का सामना करना पड़ा।

हमें यह स्वीकार करना होगा कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है हम नहीं।

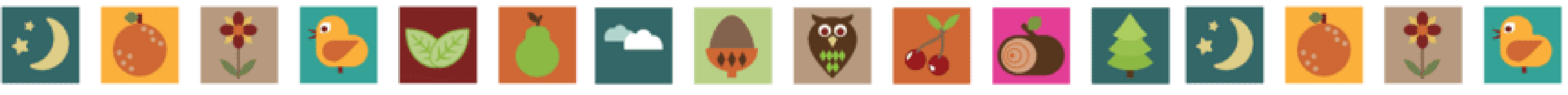

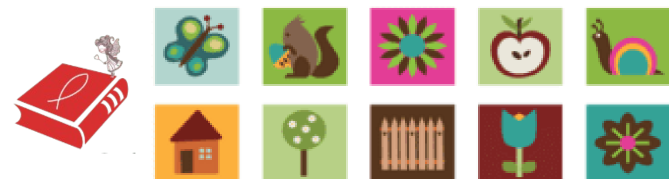

ईश्वर?

ईश्वर..

भगवान विभिन्न रूप की मूर्तियाँ या अन्य झूठे देवता हैं।
ईश्वर जीवित है और अपनी शक्तिशाली शक्ति से कार्य कर रहा है।

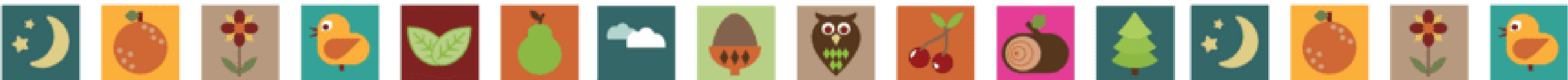

आज की प्रश्नोत्तरी

परमेश्वर ने मिस्र पर कितनी विपत्तियाँ बरसाईं ?

①पांच _

② सात

③ बारह

④ दस

आज का शब्द

और जब मैं मिस्र के विरुद्ध अपना हाथ बढ़ाकर इस्राएलियोंको उस में से निकालूंगा, तब मिस्री जान लेंगे कि मैं यहोवा हूं।

एक्सोदेस 7:5

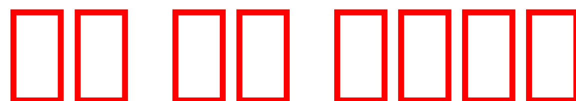

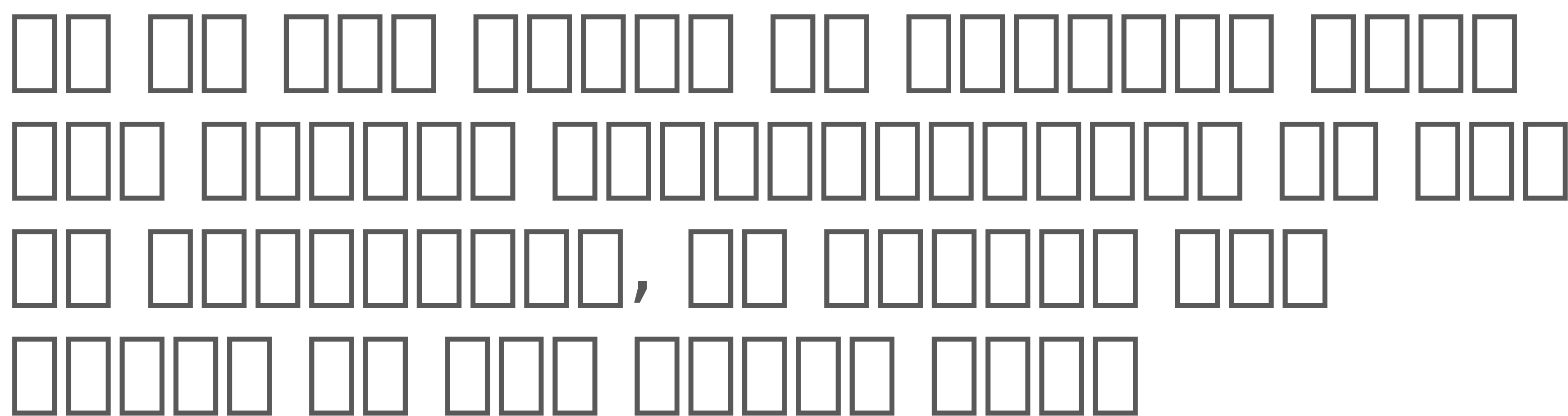

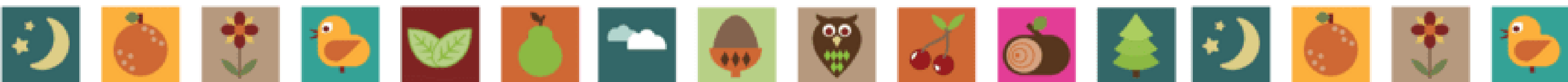

नहीं। 18 दैवीय कथन

बादल का एक स्तंभ
और आग का खम्भा

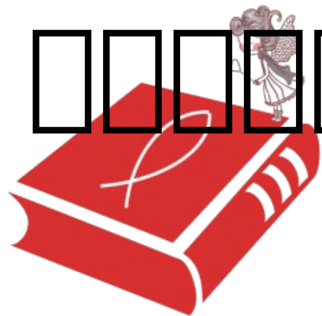

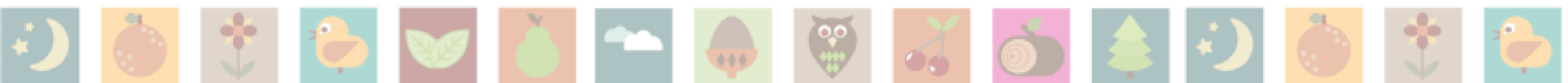

आज का शब्द

दिन को यहोवा उनको मार्ग दिखाने के लिये बादल के खम्भे में होकर और रात को उन्हें उजियाला देने के लिये आग के खम्भे में होकर उनके आगे आगे चलता था, कि वे दिन हो या रात, दोनों समय यात्रा कर सकें। निर्गमन 13:21

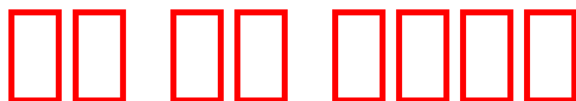

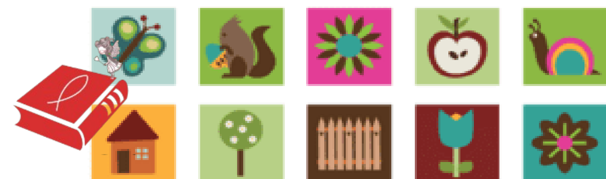

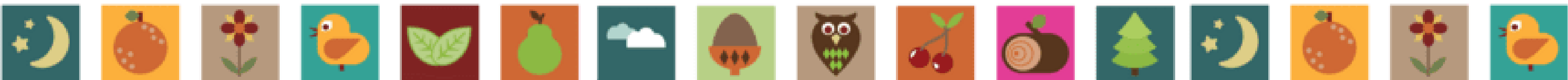

इस्राएली लोग 430 वर्षों तक मिस्र में रहे।
430 वर्षों के अंत में उन्होंने वादा किए गए देश-कनान-पर वापस जाने के लिए मिस्र छोड़ दिया।

"हमें सही रास्ता कैसे मिल सकता है ?", "अगर रास्ते में हमें बुरे लोग मिलें तो क्या होगा ?"

उन्हें बहुत चिंता हुई

उस समय, परमेश्वर ने उन्हें सबूत दिखाया कि वह उनका मार्गदर्शन कर रहा था। वह बादल का खम्भा

रात को वह आग का खम्भा बन गया। इसी प्रकार परमेश्वर ने रात दिन उनकी अगुवाई की।

"हम डरते नहीं हैं, क्योंकि भगवान हमारे साथ है!" इस्राएली लोगों ने बादल के खम्भे और आग के खम्भे के द्वारा उनका मार्गदर्शन करने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दिया।

आज का पाठ

जब बहुत से इस्राएली लोग खतरनाक रेगिस्तान को पार कर गए , तो परमेश्वर ने उन्हें सबूत दिखाया कि उसने बादल के खम्भे और आग के खम्भे से उनका मार्गदर्शन किया और उनकी रक्षा की।

अब, भगवान मेरे साथ हैं और मेरी रक्षा करें। आइए भगवान को धन्यवाद दें

ईश्वर ?

ईश्वर ..

भगवान हमेशा हमारे साथ हैं .
और वह रात दिन हमारी रक्षा करता है।

आज की प्रश्नोत्तरी

जब इस्राएली लोग मिस्र से चले गए, तो परमेश्वर ने उनका मार्गदर्शन किससे किया?

① बादल का खम्भा और आग का खम्भा

② पक्षी और मछली

③ सूर्य और चंद्रमा

④ कुत्ता और बिल्ली

आज का शब्द

दिन को यहोवा उनको मार्ग दिखाने के लिये बादल के खम्भे में होकर और रात को उन्हें उजियाला देने के लिये आग के खम्भे में होकर उनके आगे आगे चलता था, कि वे दिन हो या रात, दोनों समय यात्रा कर सकें। निर्गमन 13:21

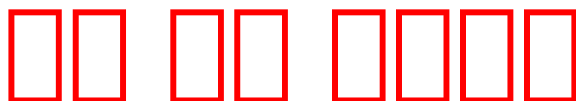

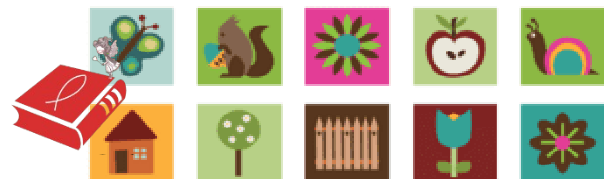

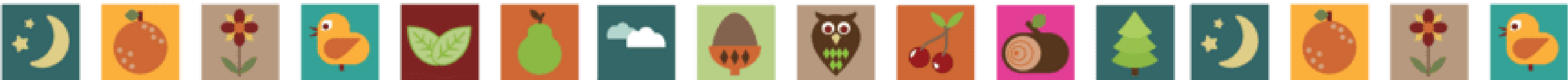

क्रमांक 19 परमेश्वर का वचन

इस्राएली सूखी ज़मीन पर बँटे हुए समुद्र से होकर जा रहे हैं

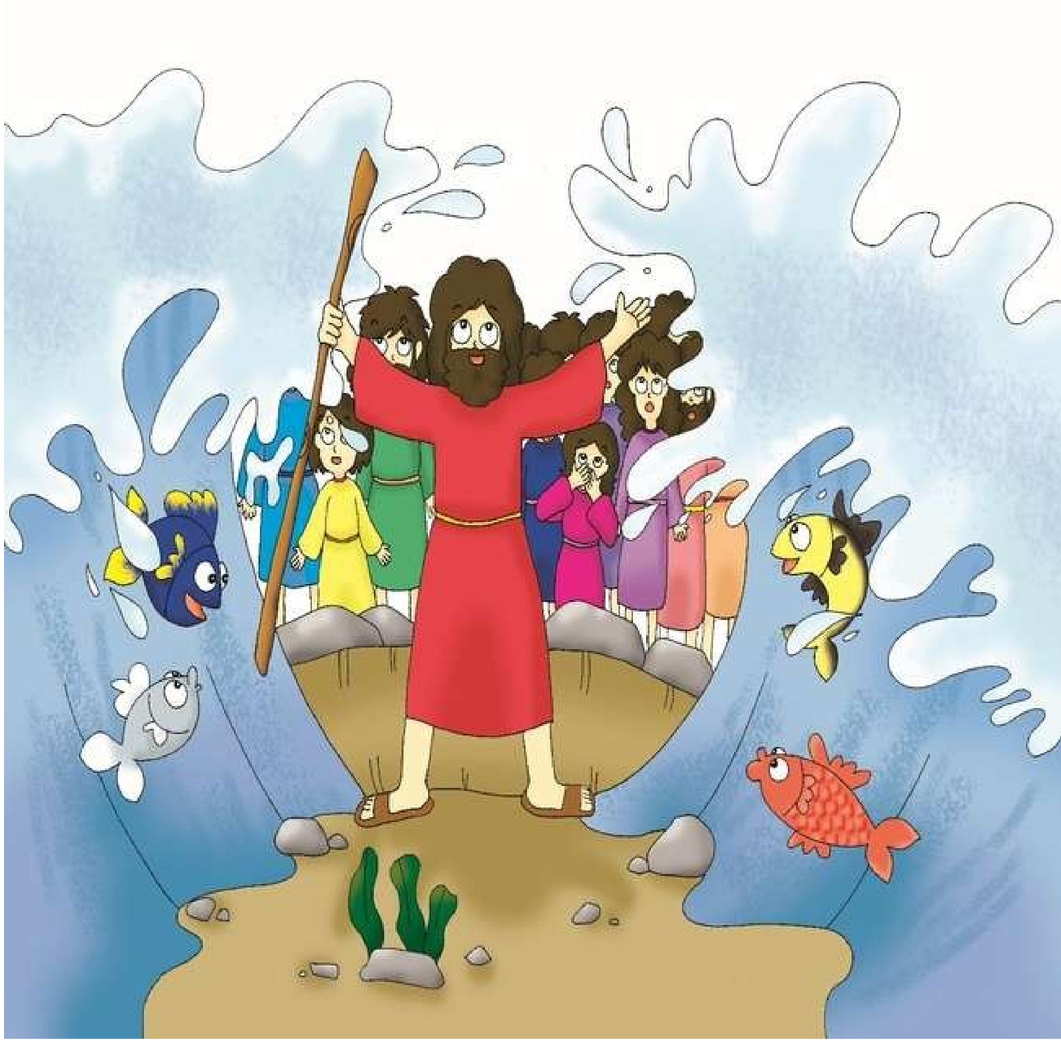

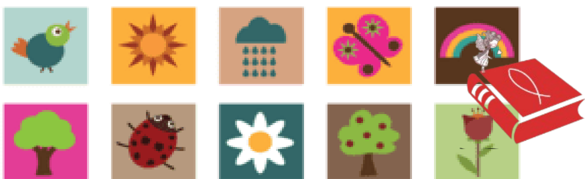

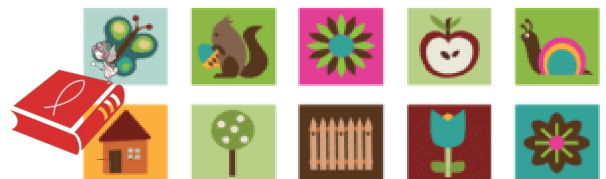

आज का शब्द

तब मूसा ने अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ाया, और यहोवा ने रात भर प्रचण्ड पुरवाई से समुद्र को पीछे खींच दिया, और उसे सूखी भूमि कर दिया। पानी बँट गया,

एक्सोदेस 14: 21

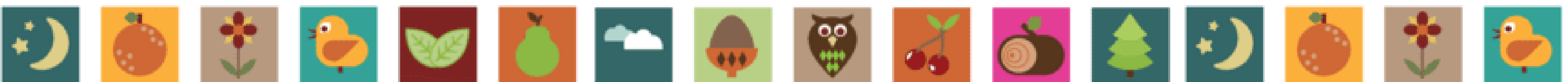

मिस्रियों ने इस्राएलियों को फिर से पकड़ने के लिए उनका पीछा किया।

फिर, वहाँ एक अद्भुत बात घटी! परमेश्वर ने लाल समुद्र को विभाजित कर दिया और इस्राएलियों को सूखी भूमि पर चलने दिया।

मिस्र के सैनिकों ने उन्हें खदेड़ दिया , लेकिन समुद्र फिर से पीछे चला गया , मिस्र के सभी सैनिक समुद्र में डूब गए। उनमें से एक भी जीवित नहीं

हमें बचाने के लिए हम भगवान को धन्यवाद देते
हैं   ! सभी इस्राएलियों ने बड़े आनन्द से आनन्दमय

आज का पाठ

परमेश्वर ने इस्राएलियों को उनकी विकट परिस्थिति से बचाया।

मैं भी पाप के कारण मरने की स्थिति में था , लेकिन भगवान ने मुझे बचाने के लिए यीशु को भेजा ! भगवान ने मुझे अनन्त मृत्यु से बचाया !

हे परमपिता परमेश्वर , आपका बहुत बहुत धन्यवाद

भगवान है?

ईश्वर।

ईश्वर हमारा उद्धारकर्ता है जो अद्भुत तरीके से अपने लोगों को बचाता है।

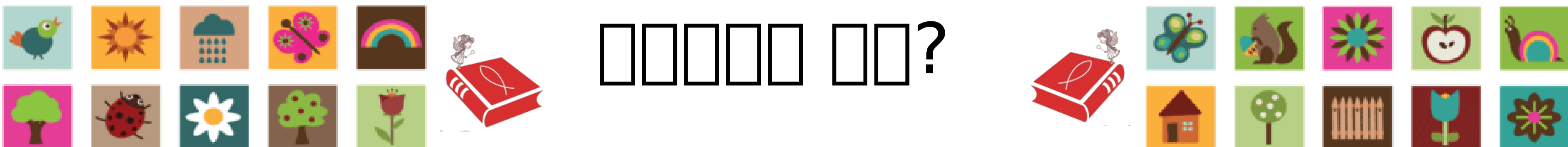

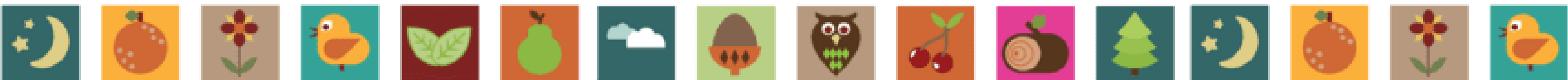

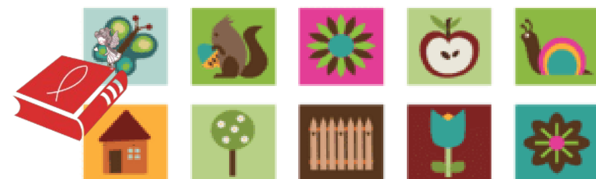

?

①

②

③ .

④

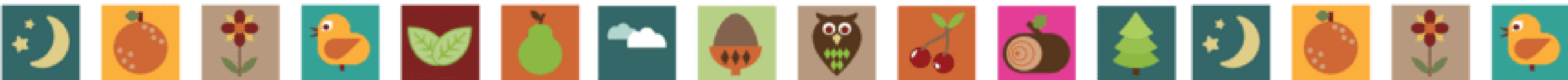

आज का शब्द

तब मूसा ने अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ाया, और यहोवा ने रात भर प्रचण्ड पुरवाई से समुद्र को पीछे खींच दिया, और उसे सूखी भूमि कर दिया। पानी बँट गया,

एक्सोदेस 14: 21

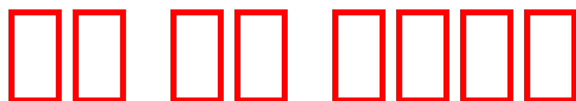

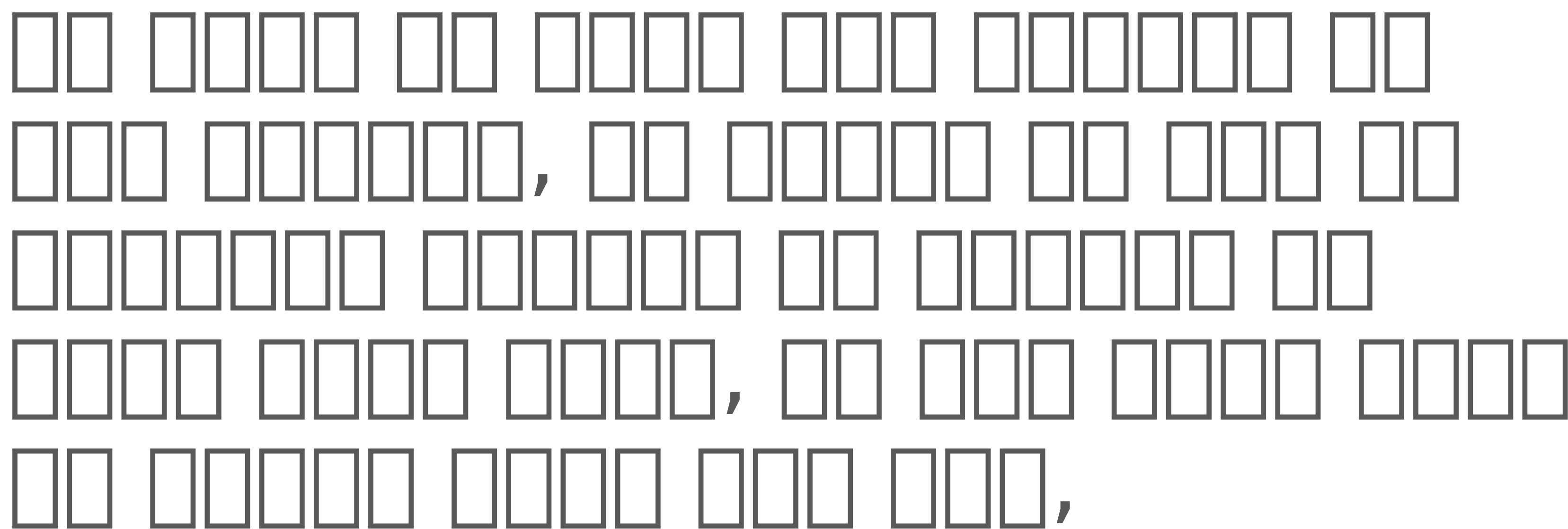

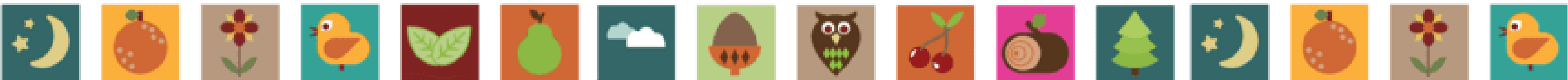

क्रमांक 20 परमेश्वर का वचन

भगवान जिसने मांस को निराश किया

Bible Kids

आज का शब्द

"मैं ने इस्राएलियों का बुड़बुड़ाना सुना है। उन से कहो, गोधूलि के समय तुम मांस खाओगे, और भोर को रोटी से तृप्त हो जाओगे। तब तुम जान लोगे कि मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूं।' "
एक्सोदेस 16:12

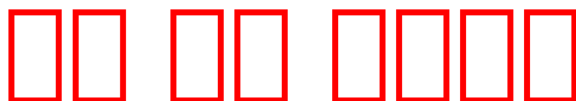

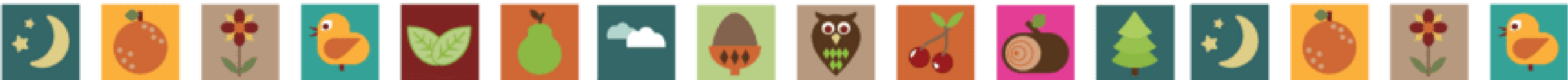

इस्राएलियों को मरुभूमि में भोजन न मिला। तब वे मूसा और परमेश्वर पर बुड़बुड़ाने लगे।

तब यहोवा ने मूसा से कहा; "मैं तुम्हारे लिए स्वर्ग से भोजन नीचे लाऊंगा।"

सुबह रेगिस्तान की ज़मीन पर पाले जैसी पतली परतें दिखाई दीं।

सांझ को बटेर उनके पास आकर गिरे और छावनी पर छा गए। उन्होंने उन्हें इकट्ठा किया , पकाया और खाया। वे रेगिस्तान में भी भूखे नहीं मरते थे।

"भगवान को धन्यवाद!" मूसा और इस्राएली लोग परमेश्वर की सर्वशक्तिमान शक्ति से चकित थे।

आज का पाठ

भगवान ने अपने लोगों को अद्भुत तरीके से और अपनी सर्वशक्तिमान शक्ति से दैनिक भोजन प्रदान किया ,
यहां तक कि रेगिस्तान में भी जहां उन्हें कुछ भी नहीं मिला।

हमारा मानना है कि ईश्वर अपने अद्भुत तरीके से ईमानदारी से हमें हमारी आवश्यकताएं प्रदान करेगा

भगवान है?

ईश्वर..

वह अद्भुत ईश्वर है जो हमारी आवश्यकताओं को पहले से जानता है और उन्हें अपने अद्भुत तरीके से प्रदान करता है।

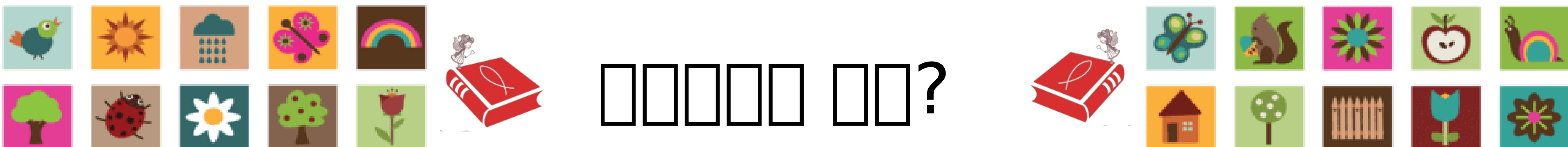

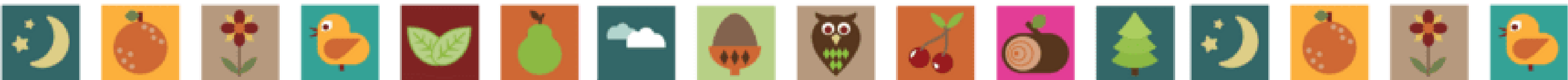

आज की प्रश्नोत्तरी

भगवान ने अपने भूखे लोगों के लिए क्या प्रदान किया ?

① मन्ना और बटेर

② रोटी और दूध

③ मांस और पानी

④ चावल और सूप

आज का शब्द

"मैं ने इस्राएलियों का बुड़बुड़ाना सुना है। उन से कहो, गोधूलि के समय तुम मांस खाओगे, और भोर को रोटी से तृप्त हो जाओगे। तब तुम जान लोगे कि मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूं।' "
एक्सोदेस 16:12

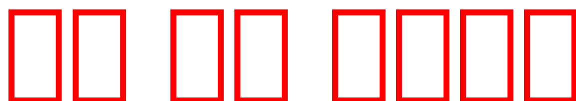

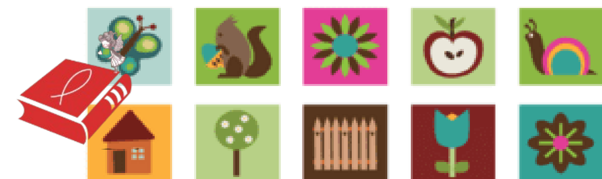

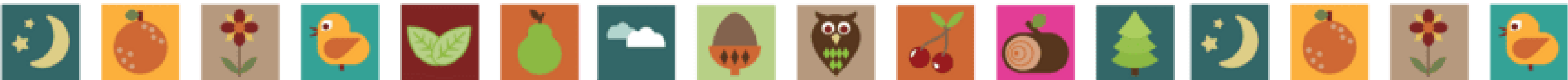

□□□□□□ 21 □□□□□□□□□ □□
□□□

□□ □□□□□□□□□□□□

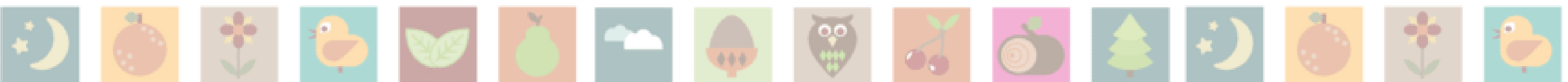

आज का शब्द

मूसा वहाँ यहोवा के साथ चालीस दिन
और चालीस रात बिना खाए रहा
रोटी या पीने का पानी . और उस ने उन
पटियाओं पर वाचा के वचन , अर्थात
दस आज्ञाएं , लिख दीं।

निर्गमन 34:28

इस्राएली लोग होरेब पर्वत (सिनाई पर्वत) पर पहुंचे। मोंट सिनाई (होरेब पर्वत) पर प्रभु परमेश्वर की महिमा भरपूर थी।

परमेश्वर ने मूसा से कहा, “पहाड़ पर मेरे पास आओ।” मूसा परमेश्वर के पर्वत पर चढ़ गया।

प्रभु परमेश्वर होरेब पर्वत पर मिले।

परमेश्वर ने मूसा को पत्थर की तख्तियां दीं।
परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए दस आज्ञाओं का पालन करने के लिए उस पर कानून और आदेश लिखे।

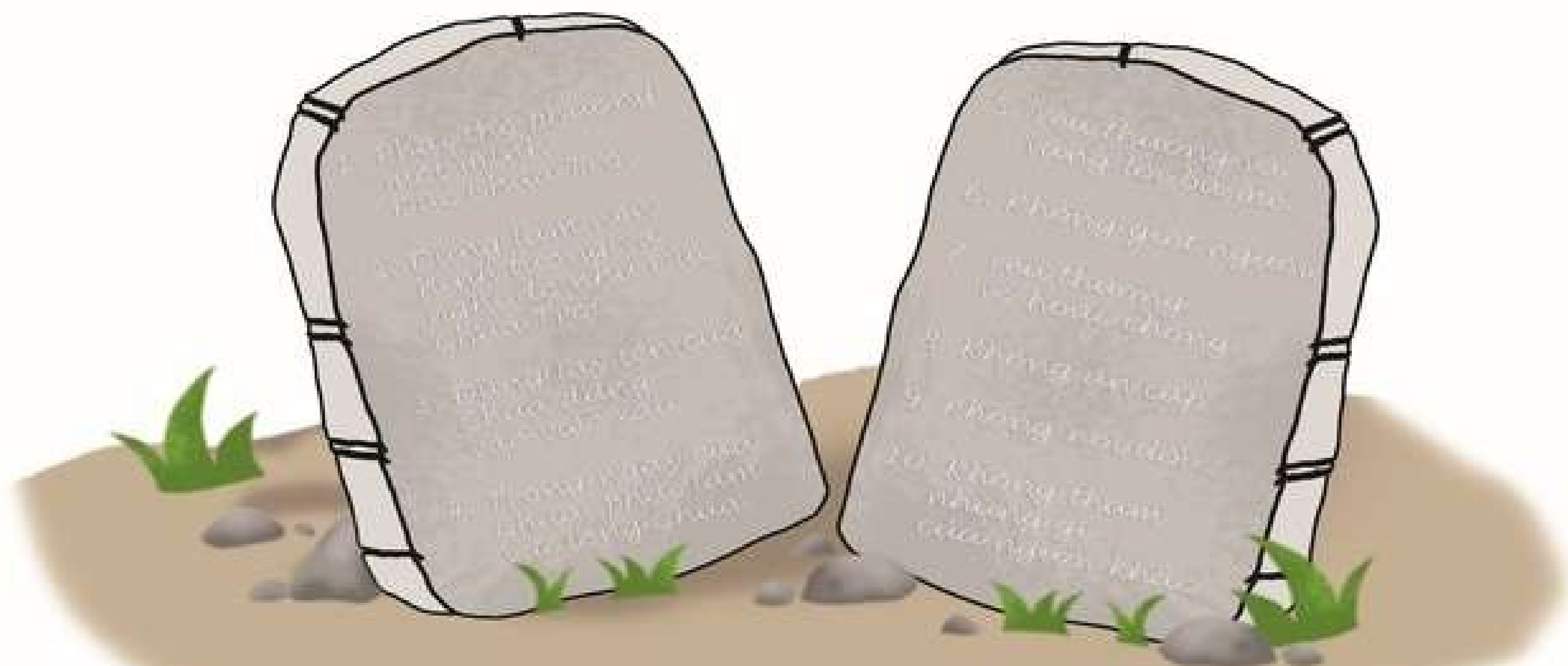

"हे प्रभु, हमें कानून देने के लिए आपका धन्यवाद।" मूसा ने सोचा, "मैं ये बहुमूल्य दस आज्ञाएँ सुनाऊँगा और सिखाऊँगा।"

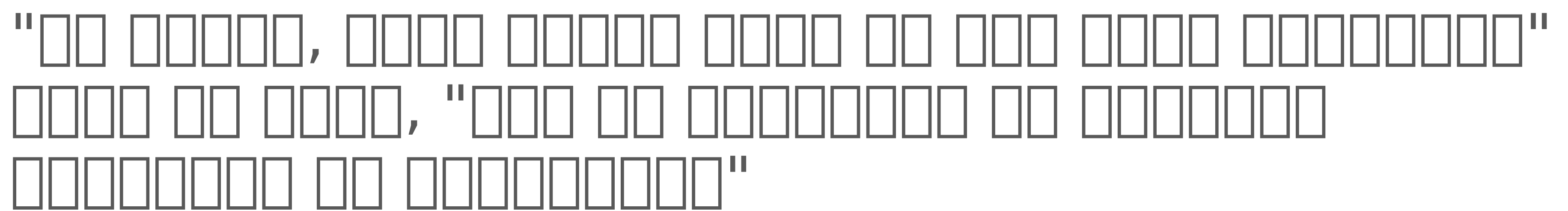

आज का पाठ

दस आज्ञाएँ वे अनमोल नियम हैं जो ईश्वर ने हमारे जीवन के लिए दिए हैं।

जब हम परमेश्वर के नियमों का पालन करेंगे तो परमेश्वर हमारे जीवन से प्रसन्न होंगे।

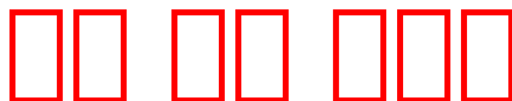

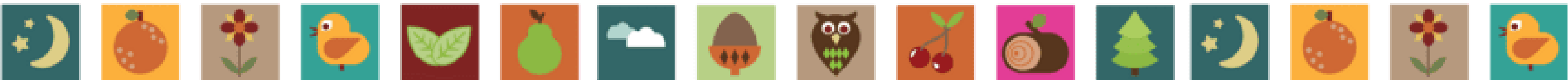

ईश्वर ?

ईश्वर

भगवान ने हमें कानून और दस आज्ञाएँ दी हैं।

परमेश्वर ने इन नियमों और आज्ञाओं के माध्यम से स्वयं को हमारे सामने प्रकट किया।

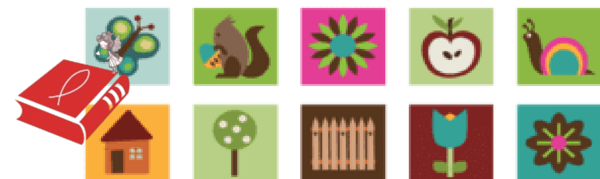

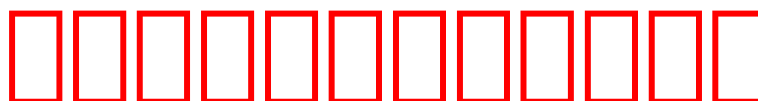

[illegible]?

① [illegible]

② [illegible]

③ [illegible]

④ [illegible]

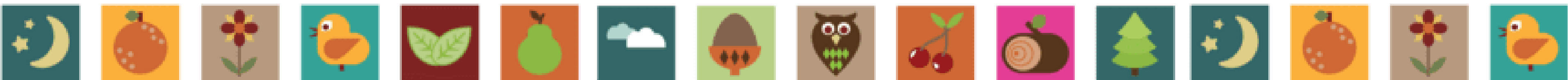

आज का शब्द

मूसा वहाँ यहोवा के साथ चालीस दिन
और चालीस रात बिना खाए रहा
रोटी या पीने का पानी . और उस ने उन
पटियाओं पर वाचा के वचन , अर्थात
दस आज्ञाएं , लिख दीं।

निर्गमन 34:28

क्रमांक 22 परमेश्वर का वचन

सुनहरा बछड़ा

Bible Kids

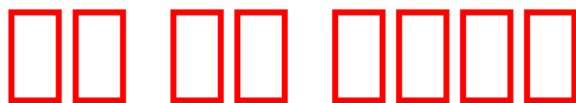

[illegible]

[illegible] 32:4

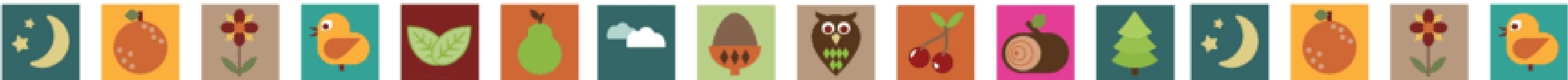

जब मूसा बहुत देर तक पहाड़ से नीचे नहीं उतरे ,
तो उन्हें बेचैनी होने लगी। "हमें मूसा के बजाय
अपने ईश्वर की आवश्यकता है जो हमारा नेतृत्व
करे

इसलिए , उन्होंने एक सुनहरा बछड़ा बनाया और
उनका नेतृत्व करने के लिए अपने देवता के रूप

परमेश्वर उन पर बहुत क्रोधित था। “मैं उन्हें नष्ट कर दूँगा। तब मैं तुम्हें एक महान राष्ट्र

लेकिन , मूसा ने गंभीरता से ईश्वर से उन्हें माफ करने की प्रार्थना की। परमेश्वर ने मूसा की प्रार्थना सुनी और उन्हें क्षमा कर दिया

आज का पाठ

ईश्वर जिस चीज़ से सबसे अधिक नफरत करता है वह है उसके बजाय अन्य देवताओं की पूजा करना।

तुम किसी भी कीमत पर अपने लिए कोई मूर्ति नहीं बनाओगे।
चाहे कुछ भी हो जाए, तुम उनको दण्डवत् न करना, और न उनकी उपासना करना।

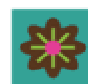

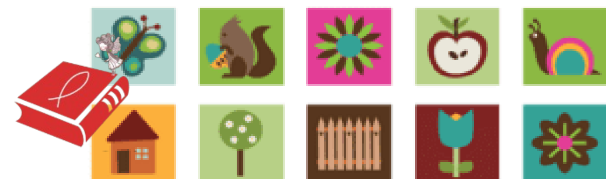

ईश्वर?

ईश्वर…

ईश्वर को सबसे अधिक नफरत मूर्तिपूजा से है बजाय इसके कि वह मूर्तिपूजा से घृणा करे।

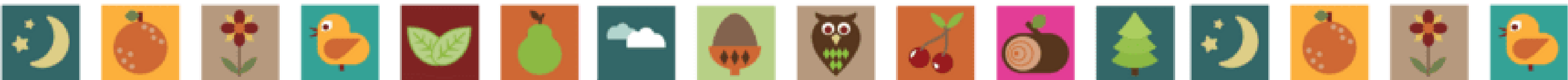

आज की प्रश्नोत्तरी

इस्राएलियों ने पाप करने के लिये कौन सी मूर्ति बनाई ?

① सुनहरा गरुड़

② सुनहरा बछड़ा

③ चांदी का बछड़ा

④ चाँदी गरुड़

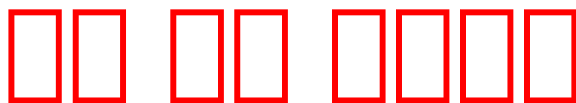

32:4

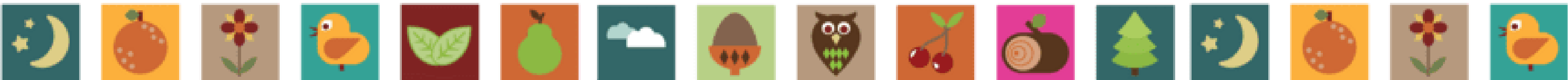

क्रमांक 23 परमेश्वर का वचन

रेगिस्तान में भगवान का घर (तम्बू)।

Bible Kids

आज का शब्द

जिस दिन निवास अर्थात साक्षीपत्र का तम्बू खड़ा किया गया , उस दिन बादल ने उसे ढक लिया। सन्ध्या से भोर तक निवास के ऊपर का बादल आग के समान दिखाई देता था।

नंबर 9:15

परमेश्वर ने मूसा से तम्बू-परमेश्वर का घर बनाने को कहा।

परमेश्वर ने मिलापवाले तम्बू के बारे में सब कुछ बताया - इसका आकार और वे सभी चीज़ें जो इसके लिए तैयार की जानी चाहिए

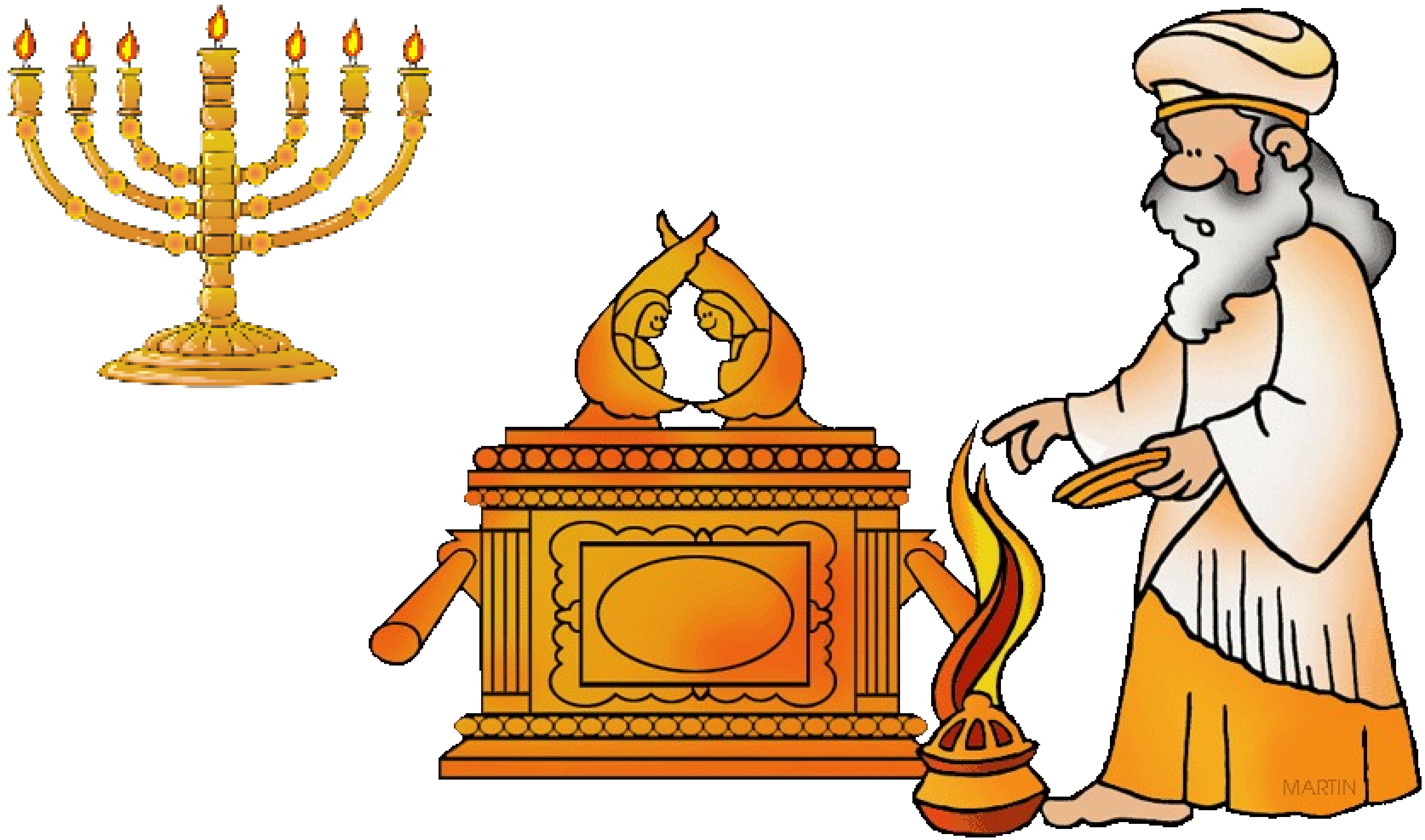

और परमेश्वर ने उन्हें बताया कि जब वे
मिलापवाले तम्बू में परमेश्वर की आराधना करते

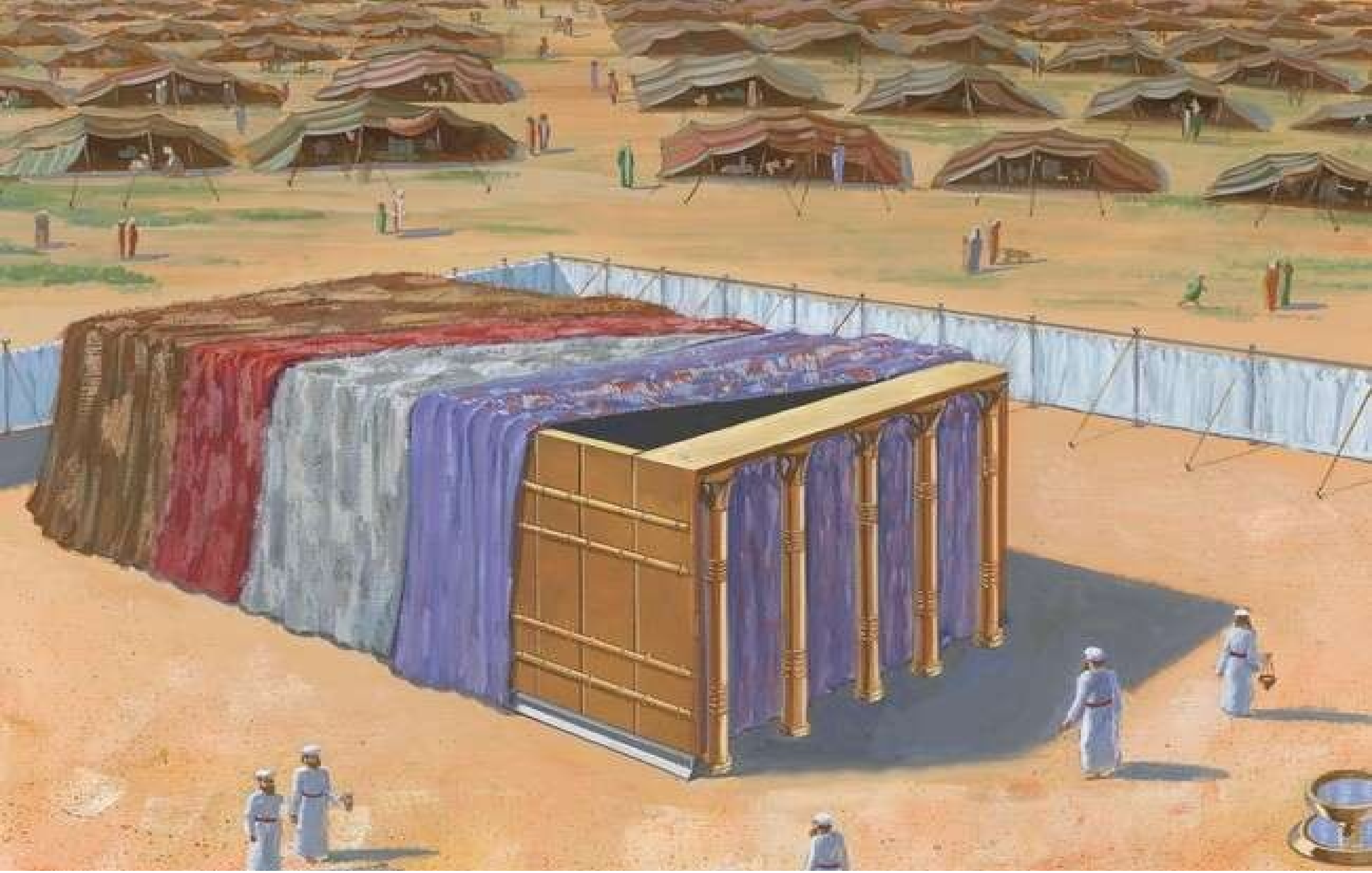

मूसा और इस्राएलियों ने परमेश्वर के निर्देश
के अनुसार तम्बू   -परमेश्वर का घर   -बनाया।

जिस दिन तम्बू खड़ा किया गया, उस दिन परमेश्वर का तेज दिखानेवाले बादल ने उसे छा लिया। तम्बू इस बात का चिन्ह था कि परमेश्वर इस्राएलियों के साथ था।

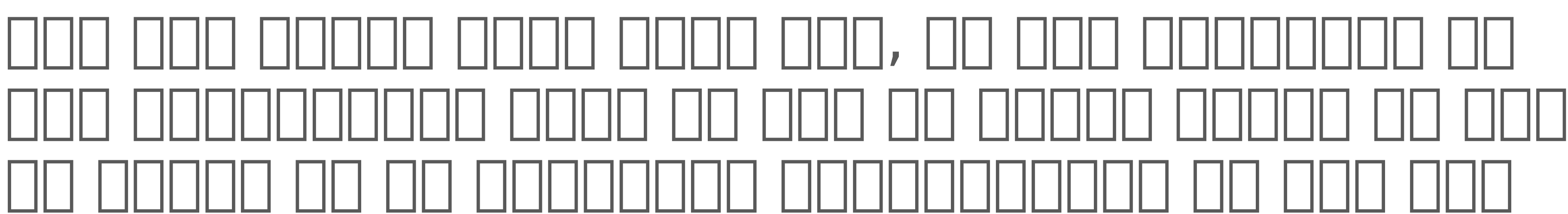

आज का पाठ

परमेश्वर ने इस्राएलियों को तम्बू-परमेश्वर का भवन बनाने दिया, और उन्हें तम्बू को केन्द्र बनाकर रहने दिया।

हमें ईश्वर को अपने मन और जीवन का केंद्र मानकर रहना चाहिए।

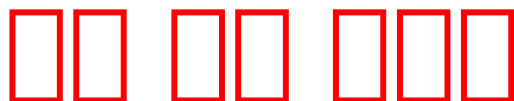

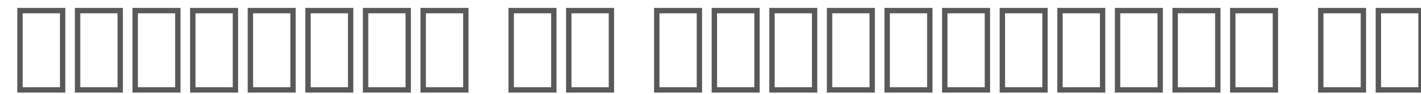

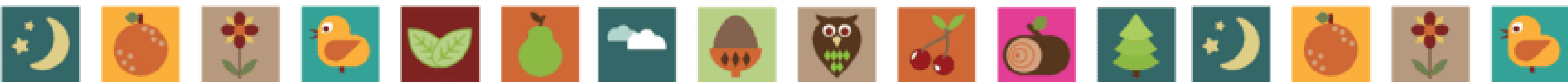

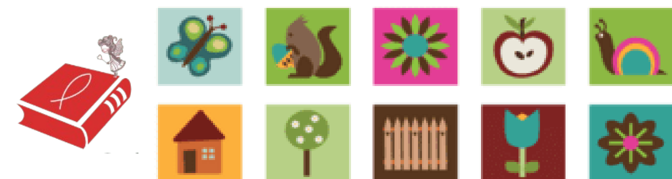

ईश्वर?

ईश्वर..

ईश्वर हमारे साथ रहता है, हमारे साथ चलता है, हमारा मार्गदर्शन करता है और हमसे बात करता है।

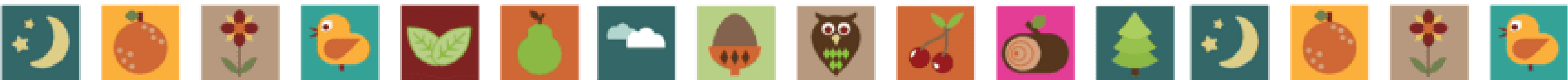

आज की प्रश्नोत्तरी

परमेश्वर ने इस्राएलियों को क्या बनाने दिया ?

① सुनहरा बछड़ा

② दस आज्ञाएँ

③ महल

④ तम्बू -भगवान का घर

आज का शब्द

जिस दिन निवास अर्थात साक्षीपत्र
का तम्बू खड़ा किया गया , उस दिन
बादल ने उसे ढक लिया। सन्ध्या से
भोर तक निवास के ऊपर का बादल आग के
समान दिखाई देता था।

नंबर 9:15

Bible Kids

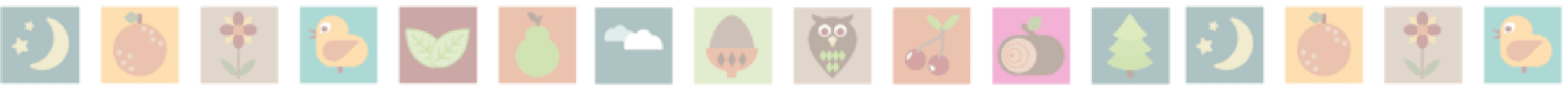

आज का शब्द

सातवीं बार, जब याजकों ने नरसिंगा फूंका, तब यहोशू ने लोगों को आज्ञा दी, “जयजयकार करो! क्योंकि यहोवा ने तुम्हें नगर दिया है।”

यहोशू 6:16

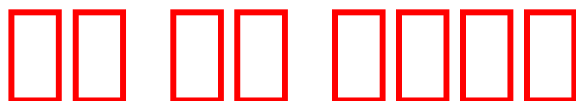

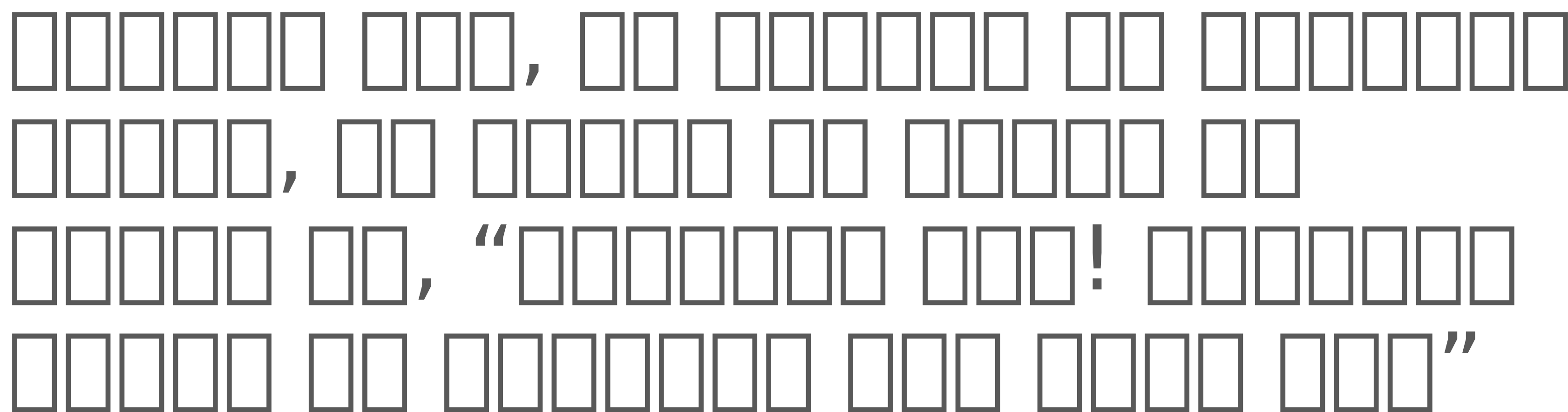

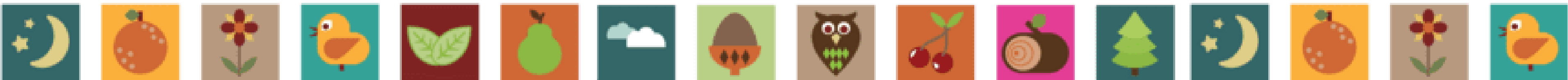

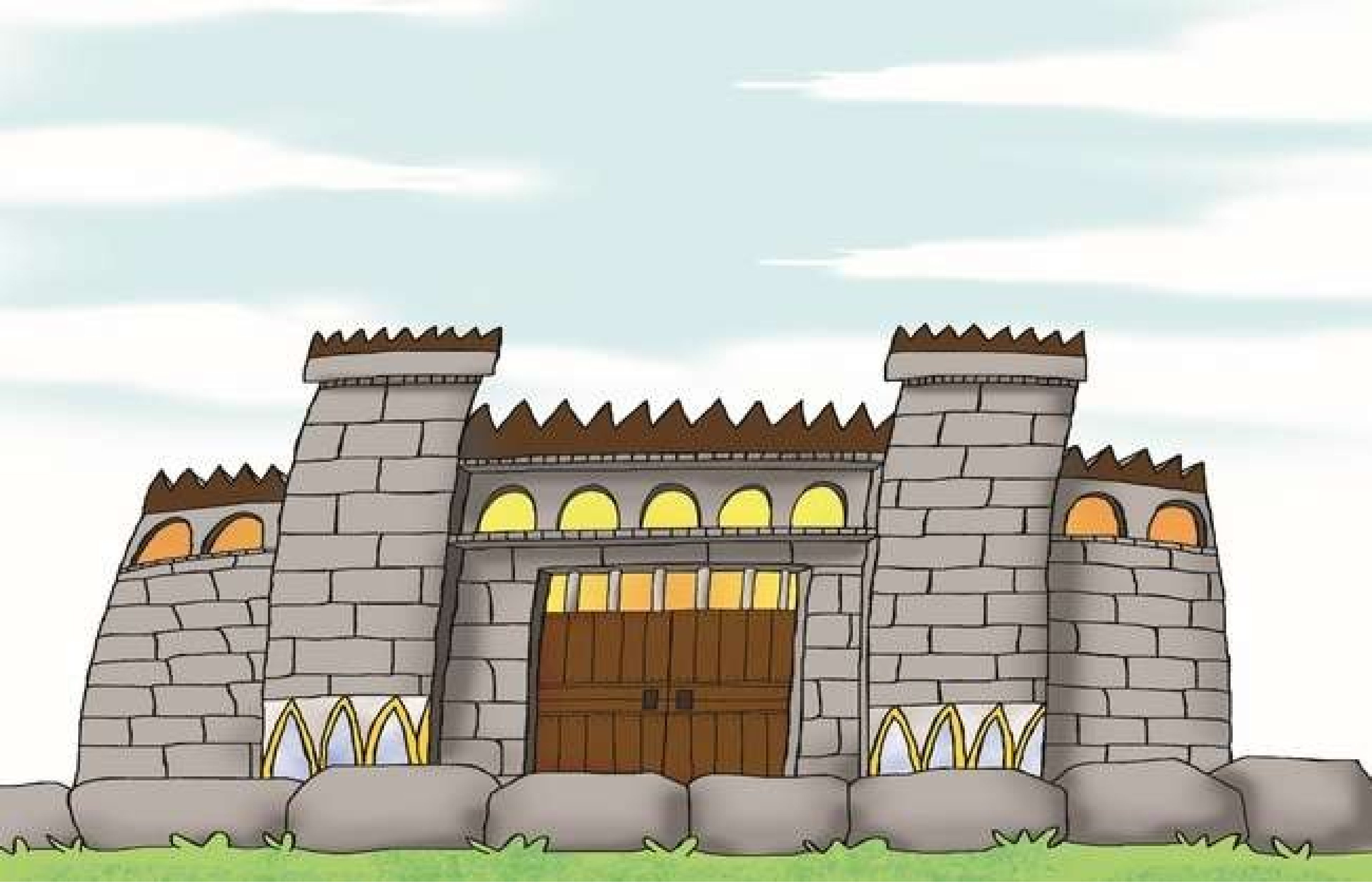

इस्राएली प्रतिज्ञा किये हुए देश में जाना
चाहते थे। लेकिन जेरिको , जो एक बड़ा महल था , ने

परमेश्वर ने यहोशू से, जो उनका प्रधान था, कहा, कि जेरिको को किस प्रकार नाश किया जाए।

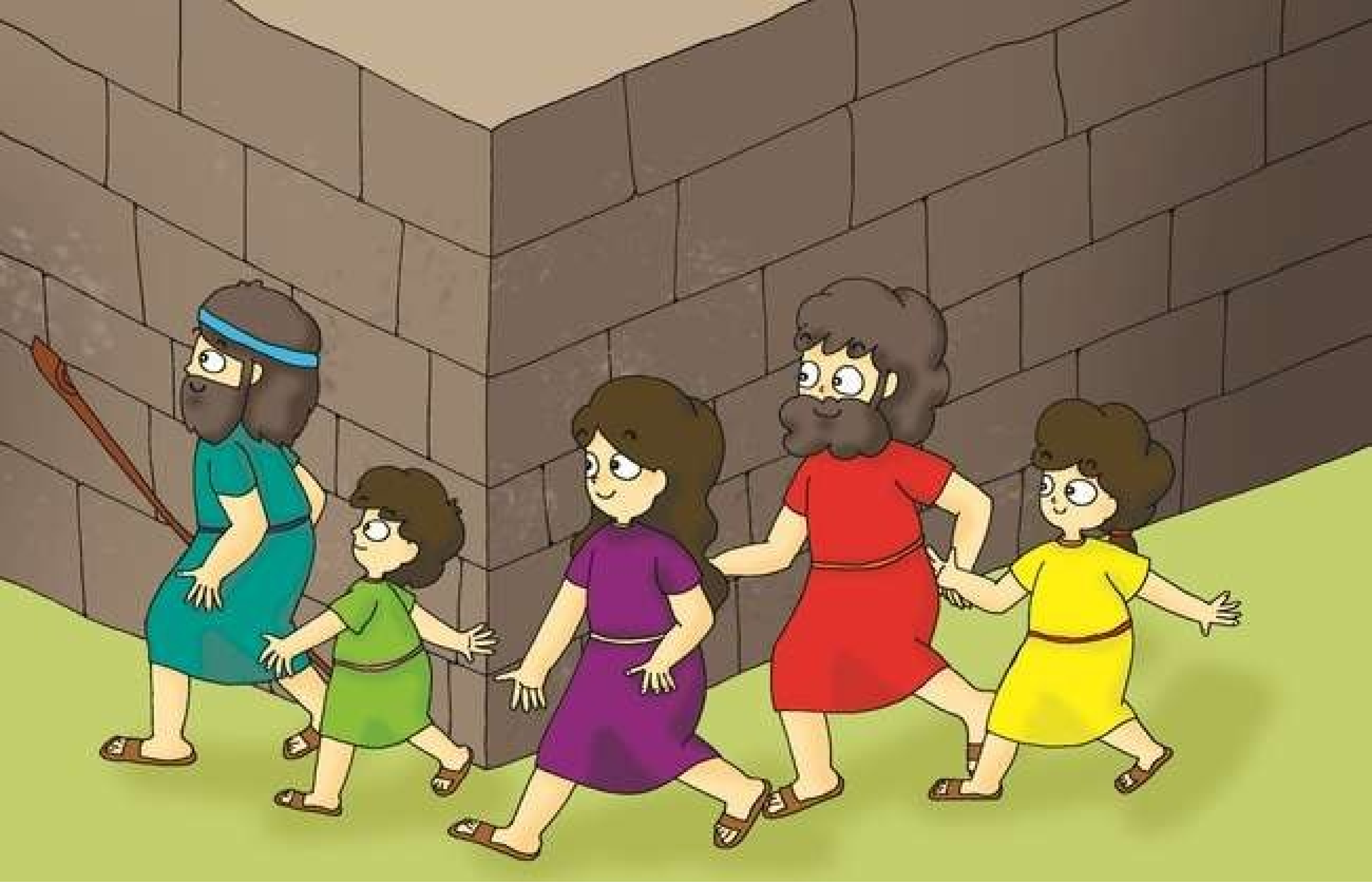

परमेश्वर के निर्देश के अनुसार इस्राएली लोग
सात दिन तक यरीहो की शहरपनाह के चारों ओर घूमते

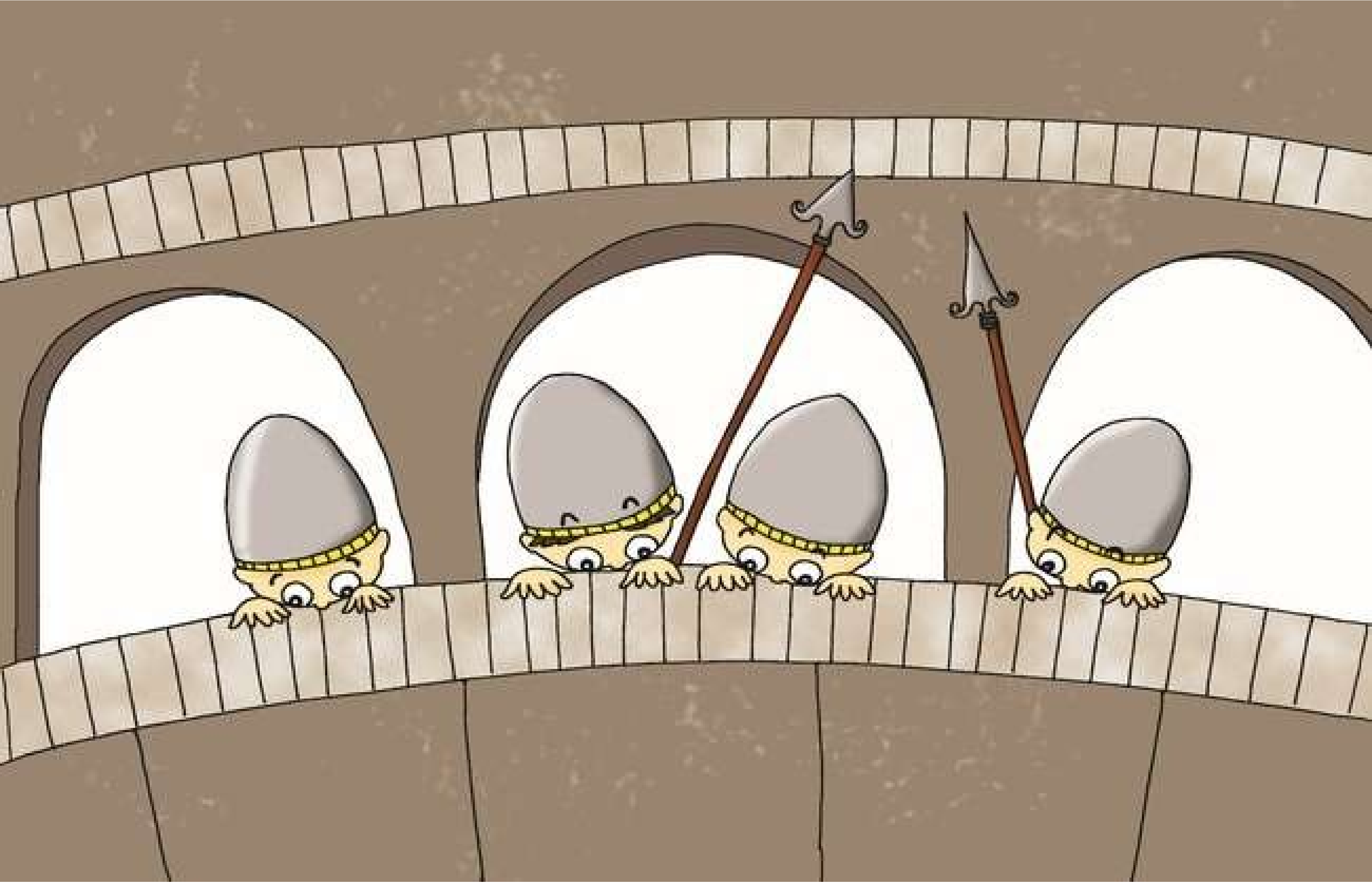

जब वे छः दिनों तक दीवार के चारों ओर घूमते रहे ,
प्रत्येक दिन एक बार , जेरिको एक इंच भी नहीं

सातवें दिन उन्होंने उसके चारों ओर सात बार चक्कर लगाया। लगभग सातवीं बार , उन्होंने जोर से चिल्लाया , दीवार गिर गई।

आज का पाठ

इस्राएली अपनी शक्ति से यरीहो को नष्ट नहीं कर सके। परन्तु परमेश्वर ने उनके लिये अपनी शक्ति से जेरिको को नष्ट कर दिया।

इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञाकारिता के माध्यम से विजय प्राप्त की है।
आइए अपना जीवन ईश्वर की आज्ञाकारिता में जिएं।

ईश्वर?

ईश्वर..

ईश्वर अपनी महान शक्ति के माध्यम से अपने लोगों को विजय प्रदान करता है।

वह विजय के देवता हैं!

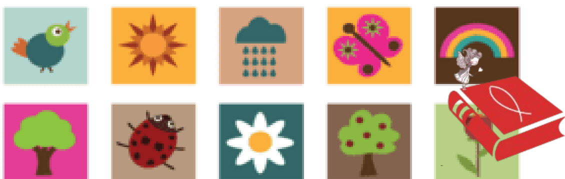

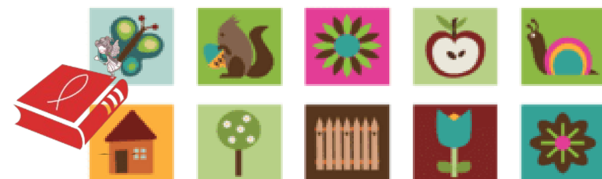

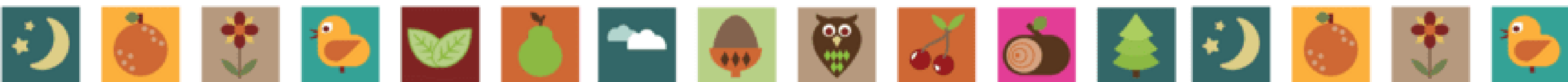

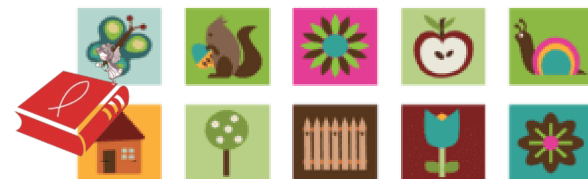

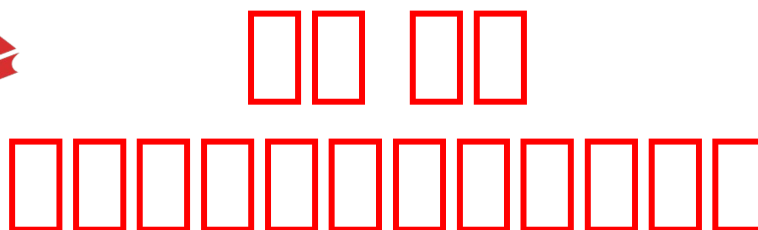

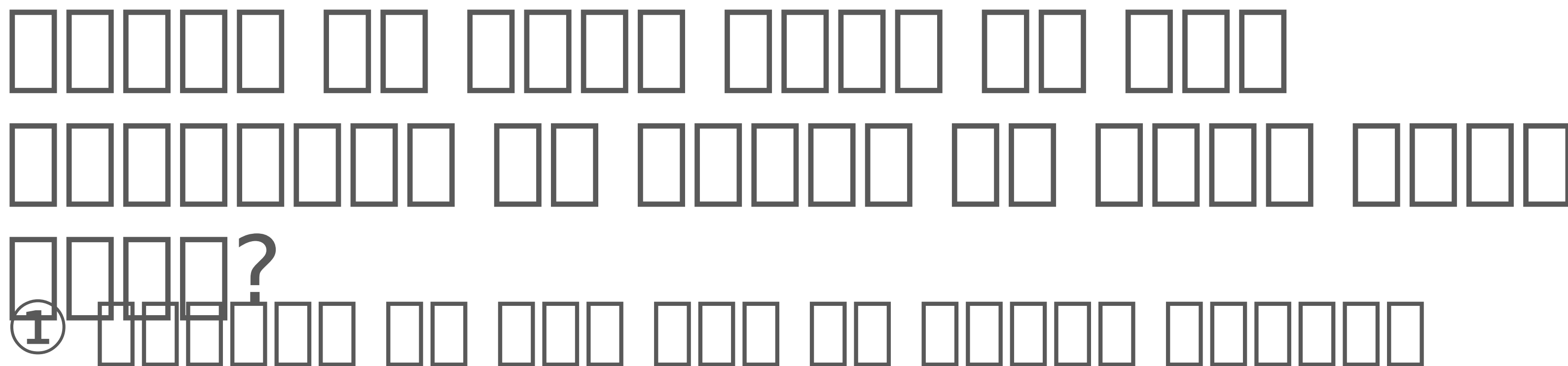

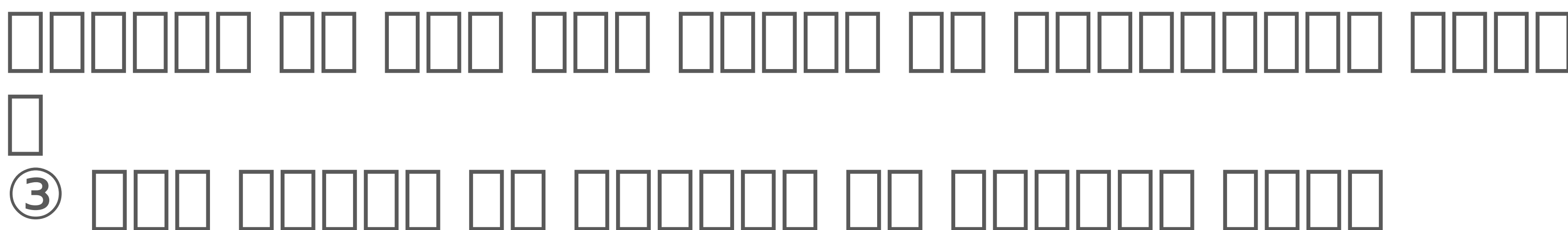

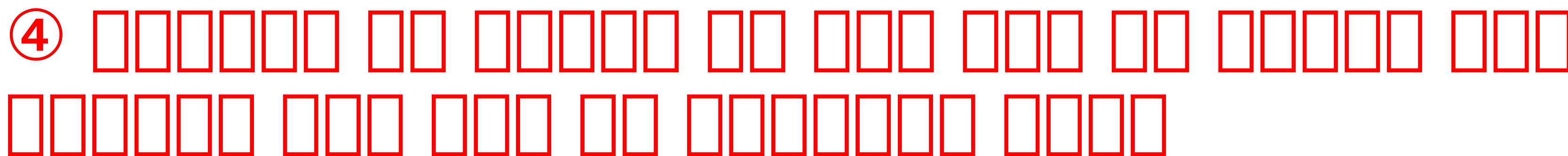

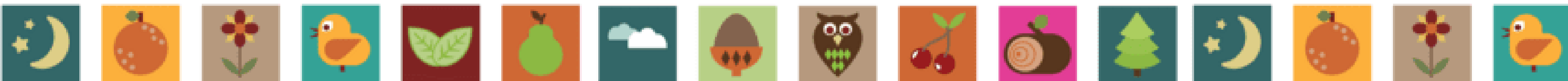

आज का शब्द

सातवीं बार, जब याजकों ने नरसिंगा फूंका, तब यहोशू ने लोगों को आज्ञा दी, “जयजयकार करो! क्योंकि यहोवा ने तुम्हें नगर दिया है।”

यहोशू 6:16

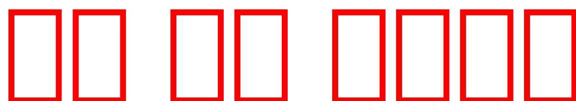

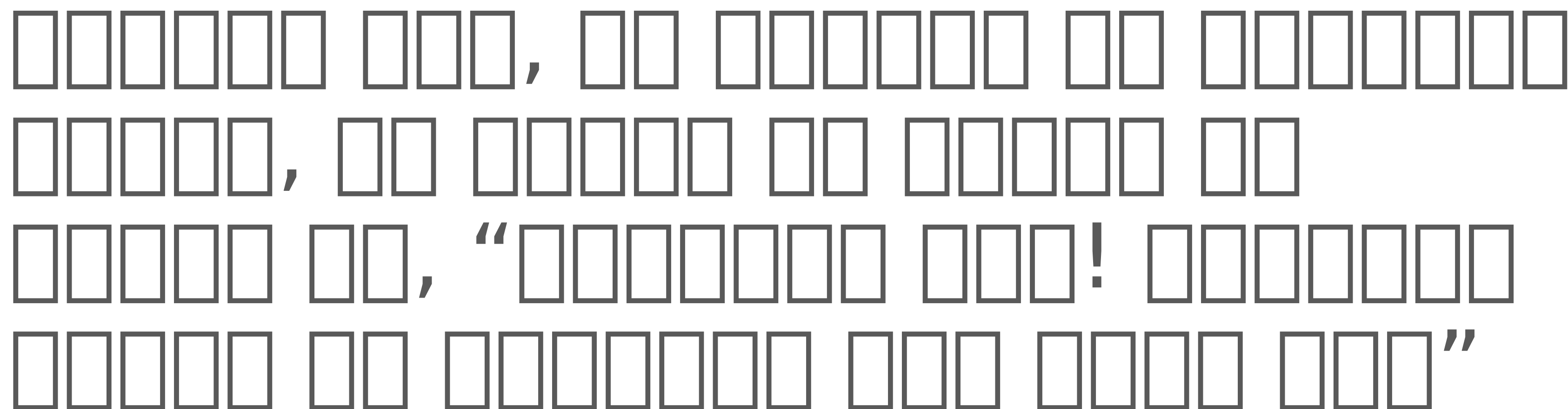

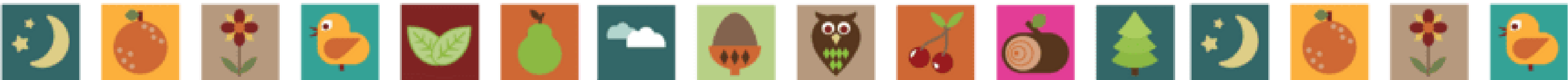

क्रमांक 25 परमेश्वर का वचन

गिदोन और उसके 300 आदमी

Bible Kids

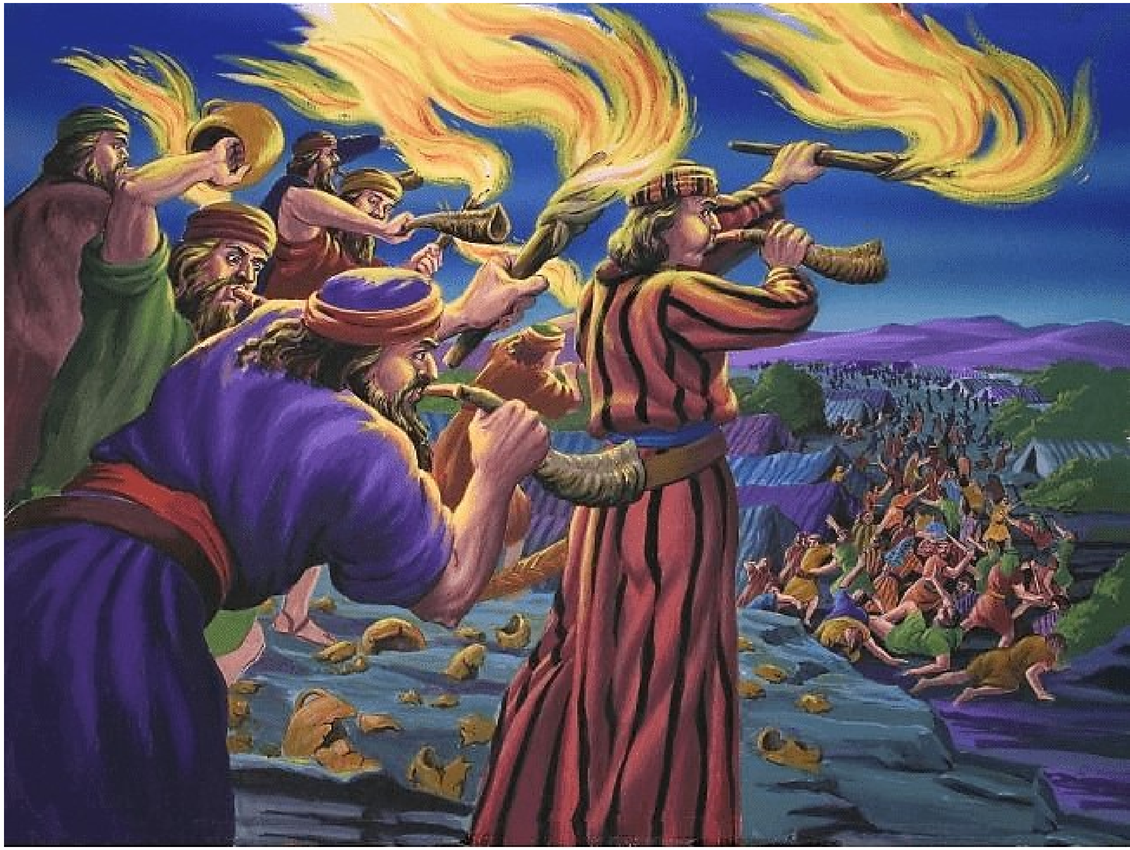

आज का शब्द

जब यहोवा का दूत गिदोन को दिखाई दिया , तब उस ने कहा , हे वीर योद्धा , यहोवा तेरे संग है।

न्यायाधीशों 6:12

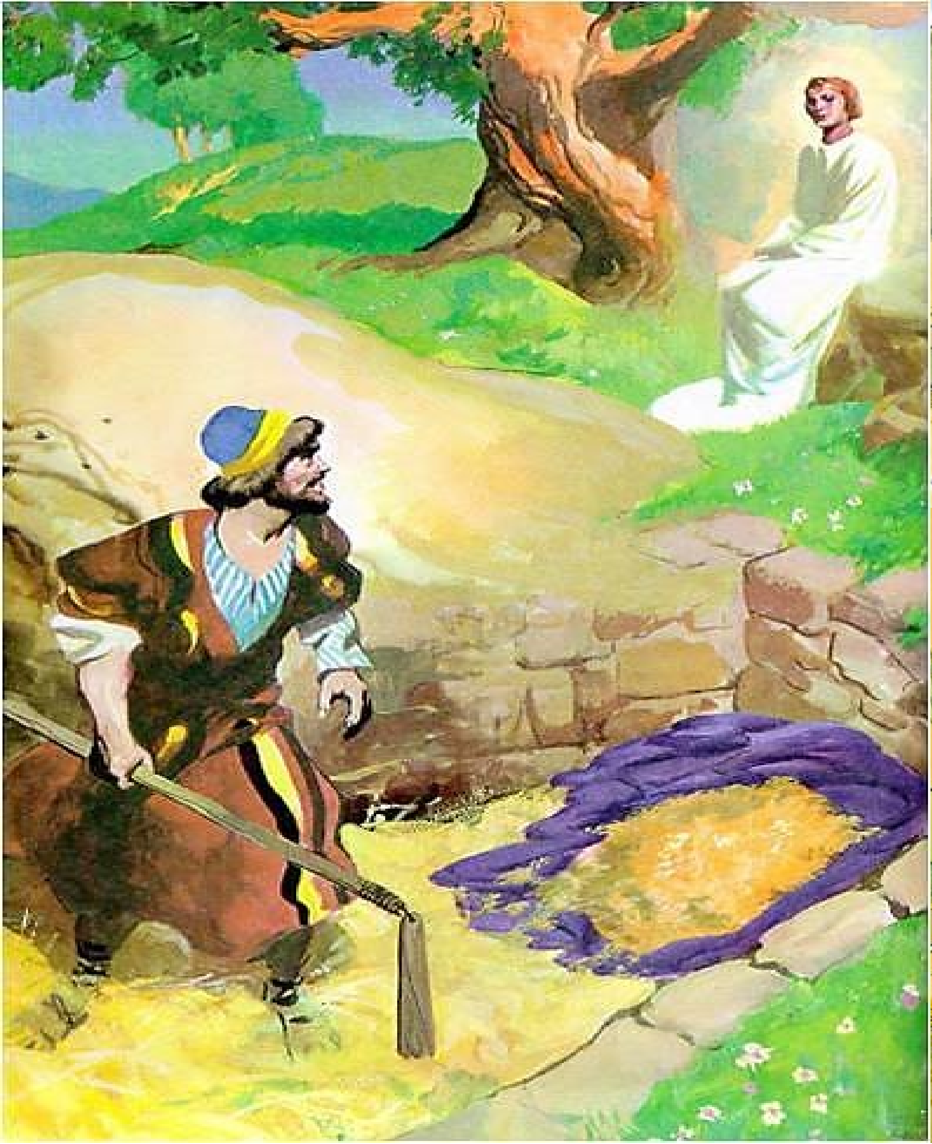

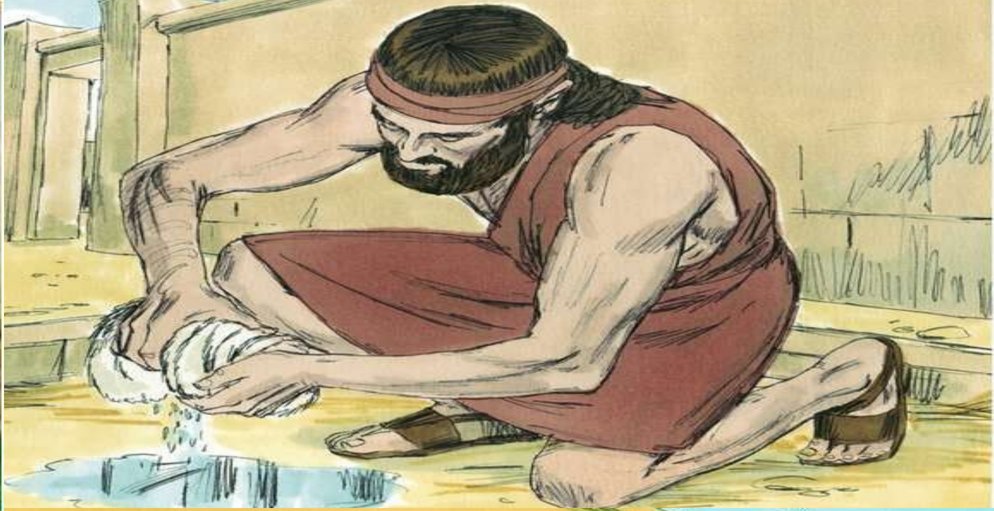

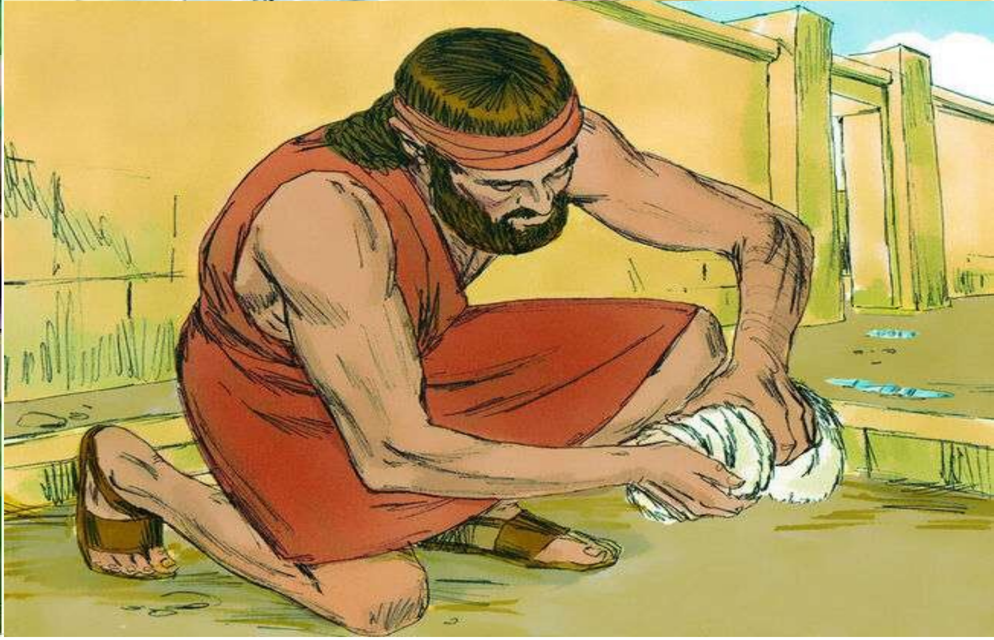

यहोवा के दूत ने गिदोन को दर्शन देकर कहा , हे
पराक्रमी योद्धा , परमेश्वर तुम्हारे साथ है।
परमेश्वर ने उसे ओस और ऊन के द्वारा आश्वासन दिया।

जब उसे विश्वास हो गया कि परमेश्वर ने उसे बुलाया है, तो उसने बाल और उसकी वेदी को, जिसकी इस्राएली पूजा करते थे, तोड़ डाला।

परमेश्वर ने गिदोन से मिद्यानियों को हराने के
लिए योद्धाओं को चुनने के लिए कहा। परमेश्वर के
निर्देश के अनुसार , केवल 300 व्यक्तियों को
चुना गया

भगवान ने उसे उन पर हमला करने की एक अद्भुत योजना दी। परमेश्वर ने उनके पास तुरही और मशालों के साथ खाली घड़े हों।

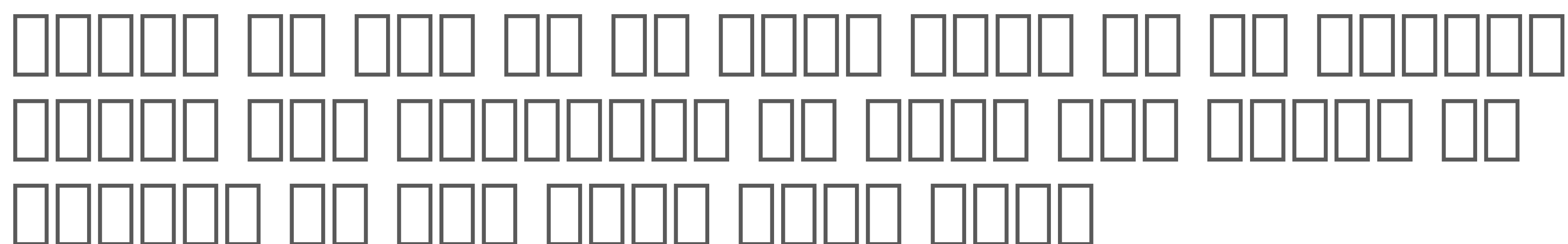

रात में , गिदोन और उसके 300 लोगों ने उस योजना को पूरा किया जो परमेश्वर ने उन्हें दी थी।
उन्होंने मिद्यानियों के विरुद्ध युद्ध जीता।

आज का पाठ

गिदोन और उसके 300 लोगों ने केवल परमेश्वर के आदेश का पालन करके असंख्य मिद्यानियों के विरुद्ध युद्ध जीता।

मेरे जीवन में जीतने का रहस्य भगवान की आज्ञा मानना है।

ईश्वर ?

ईश्वर ..

वह सर्वशक्तिमान ईश्वर है जो केवल 300 पुरुषों के साथ असंख्य शत्रु सेनाओं को हरा सकता है।

आज की प्रश्नोत्तरी

गिदोन और उसके 300 लोगों ने अपने दुश्मन को हराने के लिए किसका उपयोग नहीं किया था ?

① जार

② तलवारें

③ मशालें

④ तुरही

आज का शब्द

जब यहोवा का दूत गिदोन को दिखाई दिया , तब उस ने कहा , हे वीर योद्धा , यहोवा तेरे संग है।

न्यायाधीशों 6:12

क्रमांक 26 परमेश्वर का वचन

सैमसन , एक मजबूत योद्धा .

Bible Kids

आज का शब्द

महिला ने एक लड़के को जन्म दिया
और उसका नाम सैमसन रखा। वह बड़ा
हुआ और यहोवा ने उसे आशीष दी ,

न्यायाधीशों 13:24

इस्राएल के नेताओं में शिमशोन नाम का एक नेता था। वह जन्म से ही परमेश्वर से अलग किया जाने वाला व्यक्ति

था

सैमसन बहुत शक्तिशाली योद्धा था। शिमशोन के कारण
पलिश्ती और अन्य देश जो उन पर अन्धेर करते थे ,
इस्राएलियों पर अन्धेर नहीं कर सके अब और।

उनकी ताकत उनके बालों से आती थी. लेकिन, मूर्ख बनाकर उसके बाल मुंडवा दिए गए थे। अत: उसने अपनी शक्ति खो दी।

सैमसन को पकड़ लिया गया और शत्रु ने उसका मजाक उड़ाया। अहंकार के कारण मूर्ख बनाये जाने पर उसे

पछतावा हुआ

आख़िरकार सैमसन ने ईश्वर से उसे फिर से मजबूत करने की प्रार्थना की। भगवान ने उसकी प्रार्थना का उत्तर

दिया और अंततः उसे शक्ति दी

आज का पाठ

सैमसन एक ऐसा व्यक्ति था जिसे ईश्वर की ओर से विशेष अनुग्रह और बुलाहट दी गई थी।

लेकिन , उसके अहंकार के कारण ,
उसने उन सभी को खो दिया।

हम भी ईश्वर के प्रिय बच्चे हैं जिन्हें ईश्वर की कृपा और मिशन प्राप्त हुआ है।

इसलिए , हमें परमेश्वर के वचन के सामने

विनम्र होना होगा

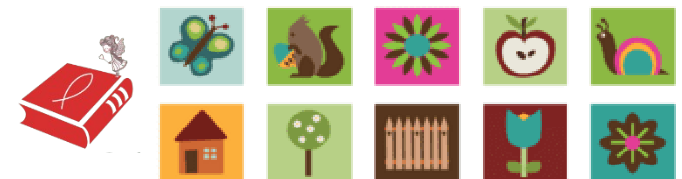

ईश्वर?

ईश्वर..

भगवान हमारी गंभीर और सच्ची प्रार्थनाओं को सुनते हैं और उनका उत्तर देते हैं

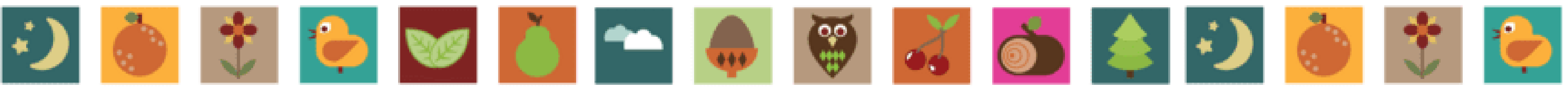

आज की प्रश्नोत्तरी

सैमसन की शक्ति कहाँ से आई ?

① बाल

② हाथ

③ पैर

④ आँख

आज का शब्द

महिला ने एक लड़के को जन्म दिया और उसका नाम सैमसन रखा। वह बड़ा हुआ और यहोवा ने उसे आशीष दी ,

न्यायाधीशों 13:24

क्रमांक 27 परमेश्वर का वचन

रूथ , एक महान चरित्र की महिला

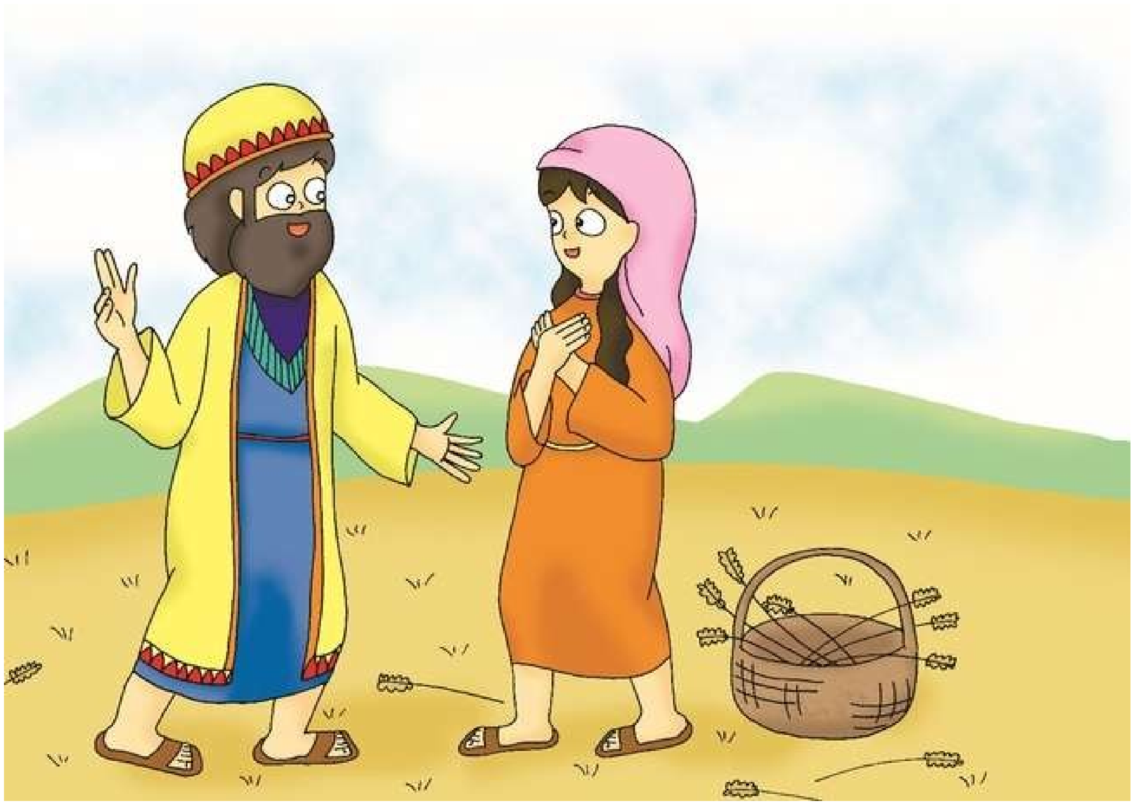

Bible Kids

आज का शब्द

तेरी प्रजा मेरी प्रजा ठहरेगी, और तेरा परमेश्वर मेरा परमेश्वर ठहरेगा।

दया 1:16

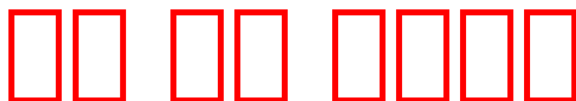

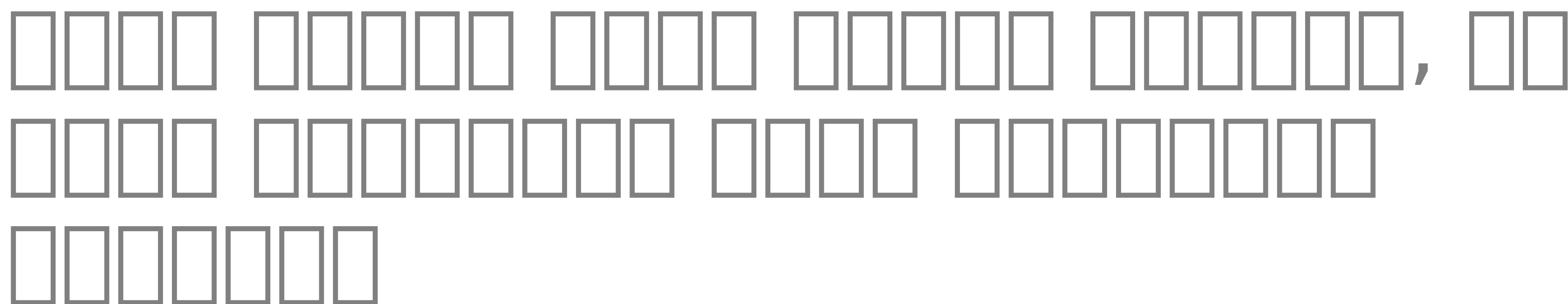

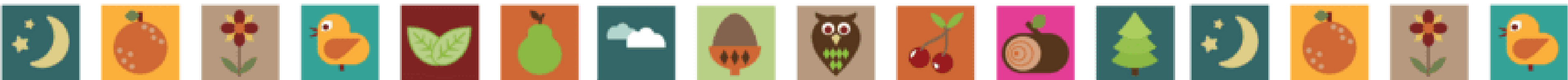

एक यहूदी महिला , नाओमी के दो बेटे थे जिन्होंने अन्यजातियों से विवाह किया था। लेकिन , उनके दो बेटों की मृत्यु हो गई। इसलिए , वह अपनी दो

नाओमी ने यहूदा में अपने घर वापस लौटने का फैसला किया। उसने अपनी दोनों बहुओं से घर लौट जाने को कहा। लेकिन, उसकी दूसरी बहू अपने गृहनगर वापस नहीं गई, बल्कि अपनी सास के पीछे- पीछे यहूदा में रहने चली गई।

रूत को नाओमी के साथ रहने के लिए बचा हुआ अनाज उठाना पड़ता था, क्योंकि घर चलाने के लिए उसके पास कोई पति नहीं था।

वह बोअज़ के खेत में बचा हुआ अनाज बीनने गयी।
बोअज़ ने सोचा कि वह एक कुलीन महिला थी और उसने रूथ से शादी कर ली।

बोअज़ ने रूथ और नाओमी को परिवार के रूप में प्राप्त किया और एक खुशहाल जीवन व्यतीत किया। भविष्य में , राजा डेविड और यीशु बोअज़ और रूथ की वंशावली से आये।

आज का पाठ

रूथ एक अन्यजाति थी. वह एक अच्छी और ईमानदार महिला थी और अपनी सास की अच्छी सेवा करती थी।
तो, वह धन्य थी।

हमें अपने पड़ोसियों की भी मदद करनी होगी
और भगवान की पूजा करो
अच्छे और सच्चे दिल से.

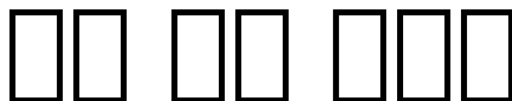

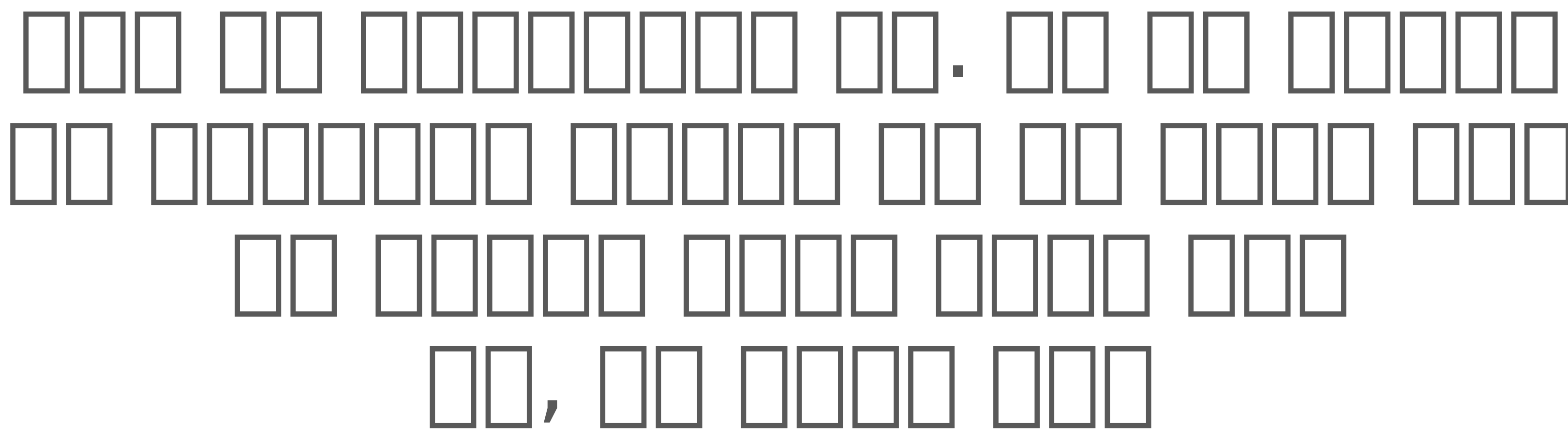

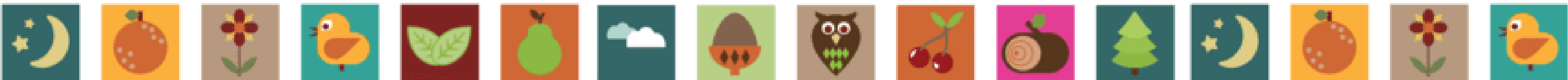

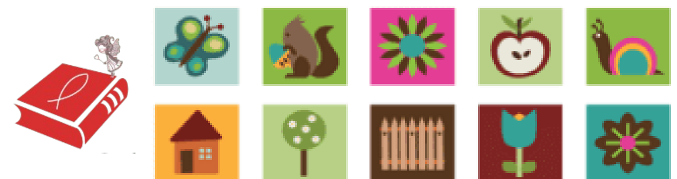

ईश्वर?

ईश्वर..
ईश्वर बाहरी दिखावे को नहीं बल्कि हृदय को देखता है।

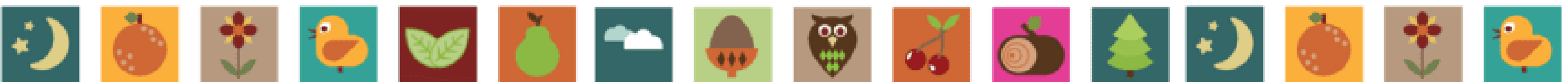

आज की प्रश्नोत्तरी

नाओमी मोआब से यहूदा में अपने घर क्यों लौट आई ?

① क्योंकि वह बीमार हो गई ..

② क्योंकि उसके पति की मृत्यु हो गई ..

③ **क्योंकि उसके दो बेटे मर गए ..**

④ क्योंकि वह अपने परिवार से मिलना चाहती थी ..

आज का शब्द

तेरी प्रजा मेरी प्रजा ठहरेगी, और तेरा परमेश्वर मेरा परमेश्वर ठहरेगा।

दया 1:16

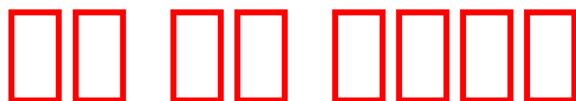

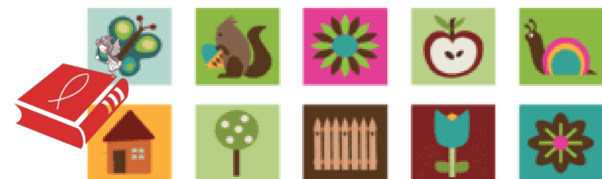

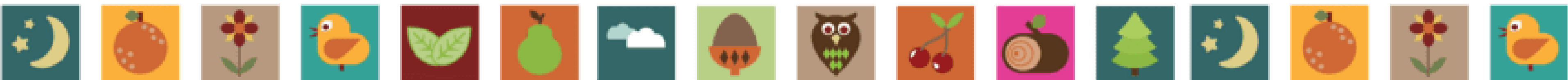

क्रमांक 28 परमेश्वर का वचन

हन्ना की प्रार्थना

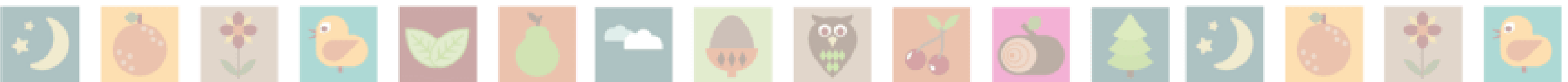

आज का शब्द

और बालक शमूएल का कद बढ़ता गया, और वह यहोवा और मनुष्यों के अनुग्रह में बढ़ता गया।

1 सैमुअल 2:26

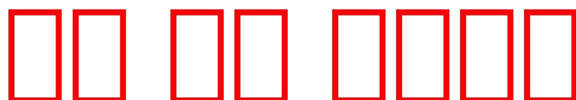

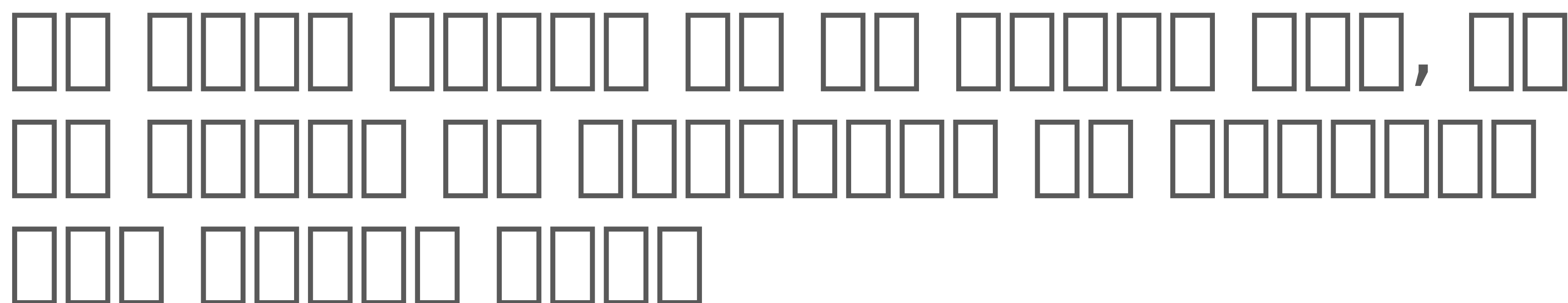

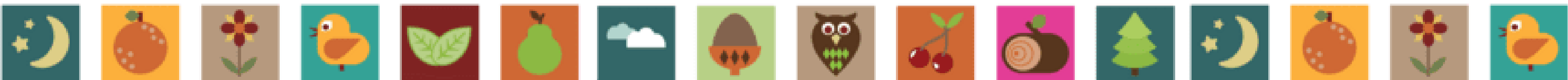

हन्ना का कोई पुत्र नहीं था। तो , वह इतनी दुखी हुई कि उसने भगवान से प्रार्थना की। "हे परमेश्वर , यदि तू मुझे एक पुत्र दे , तो मैं उसे जीवन भर तेरे लिये दे दूंगा □"

परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना याद रखी और हन्ना
को शमूएल नाम का एक पुत्र दिया।

हन्ना ने अपने बेटे को मंदिर में भगवान की पूजा करने के लिए दिया जैसे वह पहले प्रार्थना करती

शमूएल मन्दिर में परमेश्वर की आराधना करता रहता था। उन्हें मनुष्यों और ईश्वर से बहुत

छोटा सैमुअल बड़ा होकर एक युवा लड़का बन गया। फिर , बाद में , वह एक भविष्यवक्ता बन गया जिसने परमेश्वर की आवाज़ सुनी

आज का पाठ

परमेश्वर ने हन्ना की सारी प्रार्थना सुनी, उसे स्मरण किया और उसका पूरा उत्तर दिया।

भगवान हम सबकी प्रार्थना सुन रहे हैं।

इसलिए, हमें प्रार्थना करनी चाहिए गंभीरता से और ईमानदारी से.

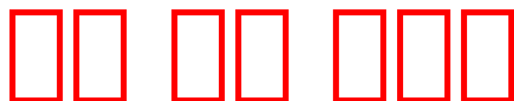

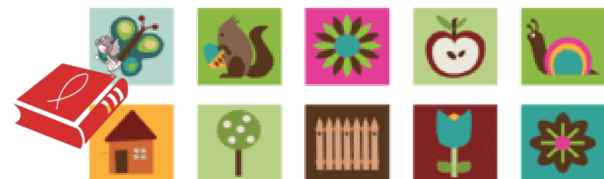

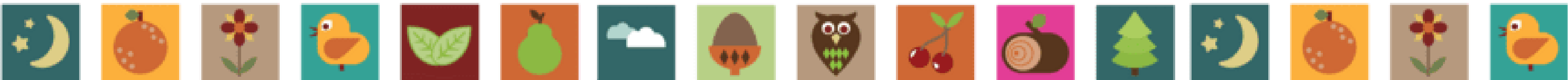

ईश्वर ?

ईश्वर ..

भगवान ने हमारी प्रार्थना सुनी

□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□

[illegible]

[illegible]

[illegible]?

①[illegible]

② [illegible]

③ [illegible]

④ [illegible]

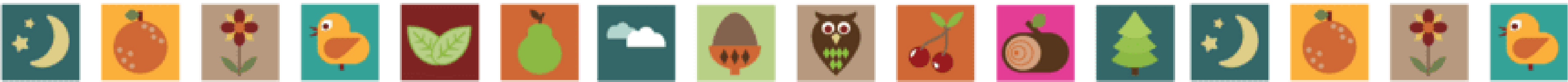

आज का शब्द

और बालक शमूएल का कद बढ़ता गया, और वह यहोवा और मनुष्यों के अनुग्रह में बढ़ता गया।

1 सैमुअल 2:26

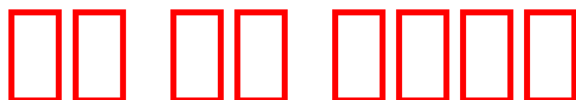

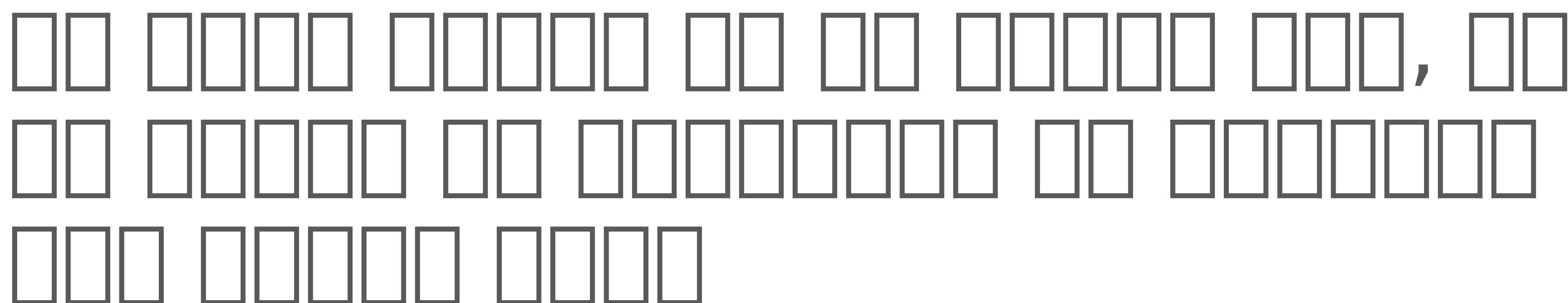

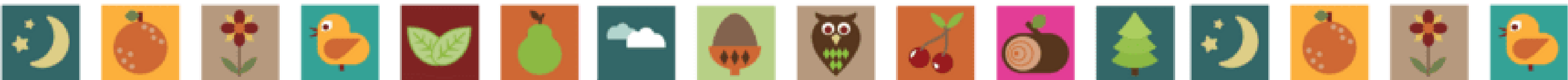

नहीं। 29 परमेश्वर का वचन

राजा शाऊल , इस्राएल का पहला राजा

Bible Kids

आज का शब्द

□□□□□ □□ □□□□□ □□□□, "उनकी बात सुनो और उन्हें एक राजा दो। " तब शमूएल ने इस्राएली पुरूषोंसे कहा , सब लोग अपने नगर को लौट जाएं।

1 सैमुअल 8:22

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], “मैं उन्हें वैसा ही राजा दूँगा जैसा उन्होंने माँगा था। ”

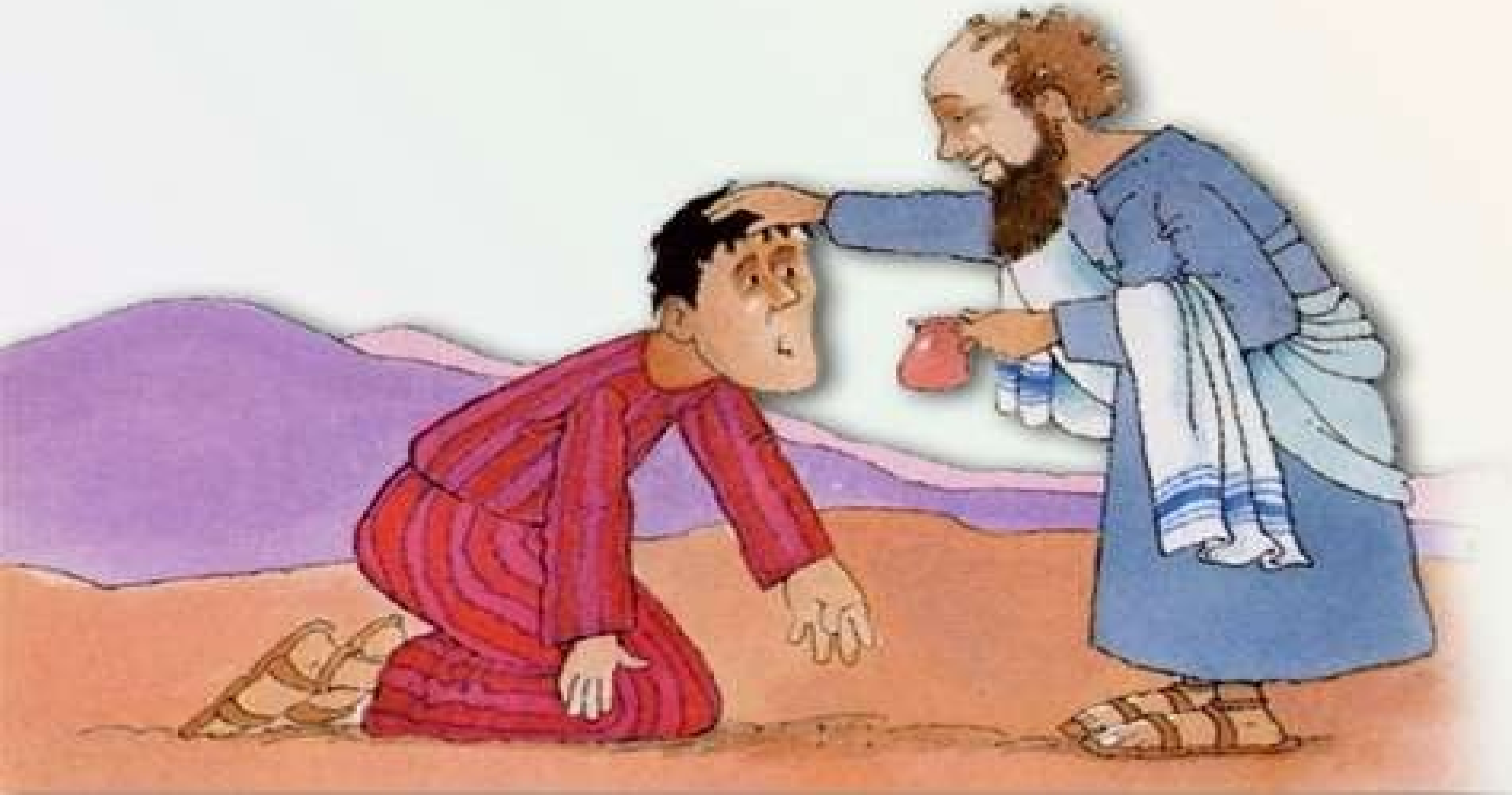

परमेश्वर ने शाऊल को शमूएल के पास भेजा।
परमेश्वर ने शमूएल को इस्राएल का राजा बनने के

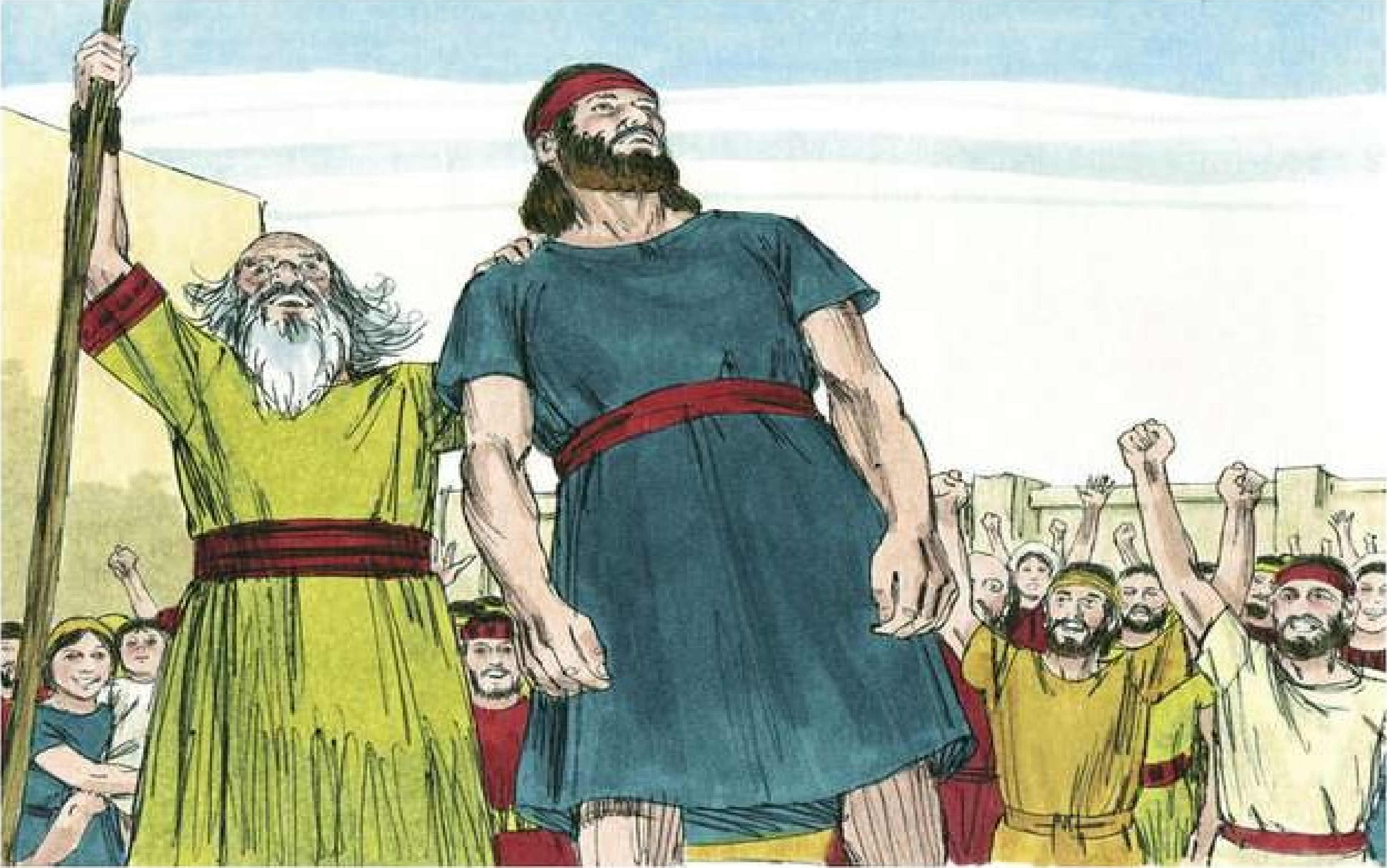

आज का पाठ

पहले तो शाऊल नम्र था।
हालाँकि, राजा बनने के बाद, उसने अब और परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं किया।
वह अहंकारी और लालची हो गया।

जब आपका पिता परमेश्वर आपको ऊपर उठाता है तो आपको लगातार विनम्र रहना होगा।

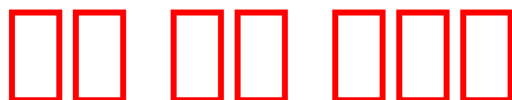

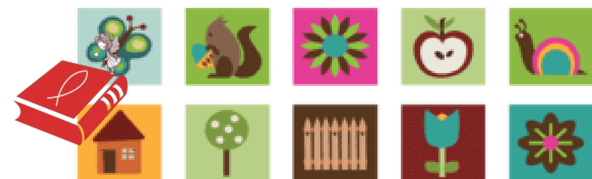

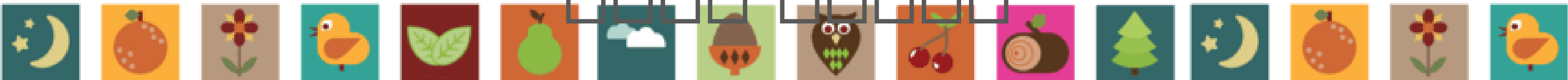

ईश्वर ?

ईश्वर ..

ईश्वर नम्र लोगों से प्रेम करता है ,
□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ है।

आज की प्रश्नोत्तरी

□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ पूछा ?

① खाना

② राजा

③ परमेश्वर का वचन

④ घर

आज का शब्द

□□□□□ □□ □□□□□ □□□□, "उनकी बात सुनो और उन्हें एक राजा दो। " तब शमूएल ने इस्राएली पुरूषोंसे कहा , सब लोग अपने नगर को लौट जाएं।

1 सैमुअल 8:22

नहीं। **30** परमेश्वर का वचन

युवा लड़का ,
[illegible]
डाला।

Bible Kids

आज का शब्द

□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□, तुम
तलवार , भाला और भाला लेकर मेरे
□□□□□□□□□ □□□□ □□□, परन्तु मैं
इस्राएल की सेना के परमेश्वर
यहोवा , □□□□ □□ □□ □□ □□□□□□□□ □□□,
□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□□□
आता हूं।

1 सैमुअल 17:45

[illegible]
नहीं करता था।
उस समय, छोटे लड़के , दाऊद ने राजा शाऊल से कहा , “मैं

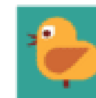

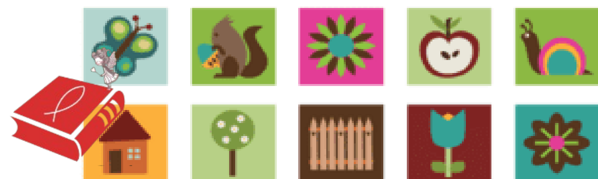

ईश्वर?

ईश्वर..
परमेश्वर उन लोगों को विजय देता है जो उसके लिए लड़ते हैं।

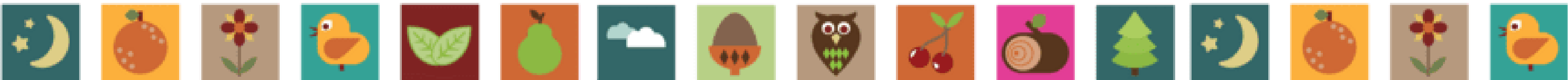

आज की प्रश्नोत्तरी

□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□ फेंका था ?

①तलवार _

② भाला

③ पत्थर

④ ढाल

आज का शब्द

□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□, तुम
तलवार , भाला और भाला लेकर मेरे
□□□□□□□□□ □□□□ □□□, परन्तु मैं
इस्राएल की सेना के परमेश्वर
यहोवा , □□□□ □□ □□ □□ □□□□□□□□ □□□,
□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□□□
आता हूं।

1 सैमुअल 17:45